उत्तर प्रदेश राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय

विश्वविद्यालय परिसर, शांतिपुरम् (सेक्टर–एफ), फाफामऊ

इलाहाबाद – 211 013

।। सरस्वती नः सुभगा मयस्करत् ।।

उत्तर प्रदेश राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय की विद्या परिषद् के बैठक की कार्यवृत्त

बैठक संख्या	:	47
दिनाँक	:	24 अगस्त, 2017
समय	:	अपराह्नः 3:00 बजे
स्थान	:	कमेटी कक्ष

उत्तर प्रदेश राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, इलाहाबाद

दिनाँक 24–08–2017 को अपराह्न 3:00 बजे विश्वविद्यालय के कमेटी कक्ष में सम्पन्न विद्या परिषद् की 47वीं बैठक का कार्यवृत्त

उपस्थिति :

1.	प्रो. एम.पी. दुबे, कुलपति, उ.प्र. राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, इलाहाबाद	अध्यक्ष
2.	प्रो. राजेन्द्र प्रसाद, कुलपति, इलाहाबाद राज्य विश्वविद्यालय, इलाहाबाद	सदस्य
3.	डॉ. ओम जी गुप्ता, निदेशक, प्रबन्धन अध्ययन विद्या शाखा, उत्तर प्रदेश राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, इलाहाबाद	सदस्य
4.	डॉ. प्रेम प्रकाश दुबे, निदेशक, कृषि विज्ञान विद्या शाखा, उत्तर प्रदेश राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, इलाहाबाद	सदस्य
5.	डॉ. आर.पी.एस. यादव, निदेशक, मानविकी विद्या शाखा, उत्तर प्रदेश राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, इलाहाबाद	सदस्य
6.	डॉ. आशुतोष गुप्ता, निदेशक, विज्ञान विद्या शाखा, उत्तर प्रदेश राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, इलाहाबाद	सदस्य
7.	प्रो. पी.के. पाण्डेय, शिक्षा विद्या शाखा, उत्तर प्रदेश राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, इलाहाबाद	सदस्य
8.	प्रो. सुधाँशु पाण्डेय, समाज विज्ञान विद्या शाखा, उत्तर प्रदेश राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, इलाहाबाद	सदस्य
9.	डॉ. टी.एन. दुबे, पुस्तकालयाध्यक्ष, उ.प्र. राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, इलाहाबाद	सदस्य
10.	डॉ. इति तिवारी, एसोसिएट प्रोफेसर, समाज विज्ञान विद्या शाखा, उत्तर प्रदेश राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, इलाहाबाद	सदस्य
11.	डॉ. संतोषा कुमार, एसोसिएट प्रोफेसर, समाज विज्ञान विद्या शाखा, उत्तर प्रदेश राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, इलाहाबाद	सदस्य

12.	डॉ. श्रुति, असिस्टेण्ट प्रोफेसर, विज्ञान विद्या शाखा, उत्तर प्रदेश राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, इलाहाबाद	सदस्य
13.	डॉ. मुकेश कुमार असिस्टेण्ट प्रोफेसर, शिक्षा विद्या शाखा, उत्तर प्रदेश राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, इलाहाबाद	सदस्य
14.	श्री एस.पी. सिंह वित्त अधिकारी, उ.प्र. राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, इलाहाबाद	विशेष आमंत्रित
15.	प्रो.(डॉ.) जी.एस. शुक्ल निदेशक, स्वास्थ्य विज्ञान विद्या शाखा/कुलसचिव, उ.प्र. राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, इलाहाबाद	सदस्य–सचिव

निम्नलिखित सदस्य बैठक में उपस्थित न हो सके :

(1) डॉ. अरविन्द दीक्षित,
कुलपति, डॉ. भीमराव अम्बेडकर विश्वविद्यालय,
आगरा

(2) प्रो. बी.एम. शर्मा,
फारमर चेयरमैन, आर.एस.पी.एस.सी.,
पूर्व कुलपति, कोटा विश्वविद्यालय (राजस्थान)

(3) प्रो. के.एस. मिश्र,
डीन, (कला संकाय) इलाहाबाद विश्वविद्यालय,
इलाहाबाद

(4) प्रो. एच.एस. उपाध्याय,
दर्शनशास्त्र विभाग, इलाहाबाद विश्वविद्यालय,
इलाहाबाद

कार्यसूची के अनुसार कार्यवाही प्रारम्भ करने के पूर्व कुलपति जी ने सभी सदस्यों का अभिनन्दन एवं स्वागत किया तथा उनके सहयोग की अपेक्षा की।

कार्य सूची बिन्दु संख्या 47.01

विद्या परिषद् की पिछली बैठक दिनाँक 04–07–2017 के कार्यवृत्त की पुष्टि।

दिनाँक 04–07–2017 को सम्पन्न विद्या परिषद् की बैठक के कार्यवृत्त की प्रति सभी सम्मानित सदस्यों को प्रेषित की जा चुकी है। बैठक का कार्यवृत्त **संलग्नक 01 पृष्ठ संख्या** 12-18 पर उपलब्ध है। किसी सदस्य से कोई टिप्पणी प्राप्त नहीं हुई है। कार्यवृत्त पुष्टि हेतु प्रस्तुत है।

विद्या परिषद् ने प्रश्नगत बिन्दु पर विचार किया।

विद्या परिषद् की पिछली बैठक दिनाँक 04–07–2017 के कार्यवृत्त की पुष्टि की।

कार्य सूची बिन्दु संख्या 47.02

विद्या परिषद् की पिछली बैठक दिनाँक 04–07–2017 में लिए गये निर्णयों पर की गयी कार्यवाही से अवगत होना।

विद्या परिषद् अपनी बैठक दिनाँक 04–07–2017 लिए गये निर्णयों पर की गयी कार्यवाही से निम्न विवरण के अनुसार अवगत हुई :–

संकल्प संख्या	पिछली बैठक की कार्यसूची	पिछली बैठक में लिये गये निर्णय	पिछली बैठक में लिये गये निर्णयों पर की गई कार्यवाही
46.01	विद्या परिषद् की पिछली बैठक दिनाँक 10–04–2017 के कार्यवृत्त की पुष्टि।	पुष्टि की गयी।	कोई कार्यवाही अपेक्षित नहीं है।
46.02	विद्या परिषद् की पिछली बैठक दिनाँक 10–04–2017 में लिए गये निर्णयों पर की गयी कार्यवाही से अवगत होना।	अवगत होने से सम्बन्धित है।	कोई कार्यवाही अपेक्षित नहीं है।
46.03	विद्या परिषद् की पिछली आपातकालीन बैठक दिनाँक 31–05–2017 के कार्यवृत्त की पुष्टि	पुष्टि की गयी।	कोई कार्यवाही अपेक्षित नहीं है।
46.04	विद्या परिषद् की पिछली आपातकालीन बैठक दिनाँक 31–05–2017 में लिए गये निर्णयों पर की गयी कार्यवाही से अवगत होना।	अवगत होने से सम्बन्धित है।	कोई कार्यवाही अपेक्षित नहीं है।
46.05	सत्र 2017–18 से सी.सी.वाई प्रमाण पत्र कार्यक्रम के प्रवेश शुल्क में वृद्धि किये जाने पर विचार।	विद्या परिषद् ने सत्र 2017–18 से सी.सी.वाई प्रमाण पत्र कार्यक्रम के प्रवेश शुल्क में वृद्धि किये जाने सम्बंधी प्रस्ताव को स्वीकार किये जाने का निर्णय लिया।	दिनाँक 14–07–2017 को सम्पन्न कार्य परिषद् की बैठक में विद्या परिषद् की अनुशंसा को यथावत स्वीकार किया गया। निर्णयानुसार विश्वविद्यालय के पत्र संख्या ओ.यू./810/2017 दिनाँक 22–08–2017 द्वारा प्रभारी, प्रवेश अनुभाग को पत्र प्रेषित

			किया जा चुका है। कोई कार्यवाही अपेक्षित नहीं है
46.06	विश्वविद्यालय में विगत वर्षो से संचालित शून्य से 10 संख्या वाले प्रगाण पत्र, डिप्लोगा एवं पी.जी. डिप्लोमा कार्यक्रमों के SLM को ऑन लाइन किये जाने पर विचार।	विद्या परिषद् ने शून्य से 10 छात्र संख्या वाले प्रमाण पत्र, डिप्लोमा एवं पी.जी. डिप्लोमा कार्यक्रगों के वर्तगान गें उपलब्ध SLM के समाप्त होने के पश्चात् SLM को ऑन लाइन किए जाने तथा SLM का पुनः मुद्रण न कराये जाने का निर्णय लिया।	दिनाँक 14–07–2017 को सम्पन्न कार्य परिषद् की बैठक गें विद्या परिषद् की अनुशंरा को यथावत स्वीकार किया गया। निर्णयानुसार विश्वविद्यालय के पत्र संख्या ओ.यू./818/2017 दिनाँक 22–08–2017 द्वारा प्रभारी, पाठ्य सामग्री अनुभाग को पत्र प्रेषित किया जा चुका है। कार्यवाही की जानी है।
46.07	विश्वविद्यालय द्वारा मुद्रित की जाने वाली प्रवेश विवरणिका को ऑनलाइन करने के सम्बन्ध में दिनाँक 15–06–2017 को सम्पन्न बैठक का कार्यवृत्त पर विचार।	विद्या परिषद् ने विश्वविद्यालय द्वारा मुद्रित की जाने वाली प्रवेश विवरणिका को ऑनलाइन करने के संम्बन्ध में दिनाँक 15–06–2017 को सम्पन्न बैठक का कार्यवृत्त को यथावत स्वीकार किये जाने का निर्णय लिया।	दिनाँक 14–07–2017 को सम्पन्न कार्य परिषद् की बैठक में विद्या परिषद् की अनुशंसा को यथावत स्वीकार किया गया। निर्णयानुसार विश्वविद्यालय के पत्र संख्या ओ.यू./811/2017 दिनाँक 22–08–2017 द्वारा प्रभारी, प्रवेश अनुभाग को पत्र प्रेषित किया जा चुका है। कोई कार्यवाही अपेक्षित नहीं है।
46.08	विश्वविद्यालय द्वारा संचालित प्रमाण पत्र, डिप्लोमा, पी.जी. डिप्लोमा, स्नातक एवं स्नातकोत्तर कार्यक्रमों से प्रोजेक्ट कार्य को समाप्त करने पर विचार	विद्या परिषद् ने विभिन्न विद्या शाखाओं के विद्या शाखा बोर्ड के प्रस्ताव के दृष्टिगत परियोजना कार्य को दूरस्थ शिक्षा पद्धति से नामांकित शिक्षार्थियों की सुविधा के दृष्टिगत अनिवार्यता को (सभी प्रमाण पत्र, डिप्लोमा, पी. जी. डिप्लोमा, स्नातक एवं स्नातकोत्तर कार्यक्रमों से) प्रोजेक्ट कार्य को समाप्त करते हुए परियोजना कार्य के स्थान पर पाठ्यक्रम में	दिनाँक 14–07–2017 को सम्पन्न कार्य परिषद् की बैठक में विद्या परिषद् की अनुशंसा को यथावत स्वीकार किया गया। निर्णयानुसार विश्वविद्यालय के पत्र संख्या ओ.यू./812/2017 दिनाँक 22–08–2017 द्वारा परीक्षा

		समान क्रेडिट के अन्य सैद्धांतिक प्रश्न पत्र को समाहित किए जाने का निर्णय लिया।	नियंत्रक को पत्र प्रेषित किया जा चुका है। कोई कार्यवाही अपेक्षित नहीं है।
46.09	विश्वविद्यालय के सत्राँत उत्तर पुस्तिकाएं/अधिन्यास पुस्तिकाएं/ प्रोजेक्ट कार्य को नष्ट/बिक्री करने पर विचार	विद्या परिषद् ने विश्वविद्यालय की आगामी सत्राँत परीक्षाओं हेतु शिक्षार्थियों के लिए निर्गत दिशा निर्देश में – "सत्राँत परीक्षा के परीक्षाफल घोषित होने के 90 दिन के अन्दर परीक्षार्थी छुटे हुए अंकों को विश्वविद्यालय में सम्पर्क कर अंक पत्र में अंकित करा लें अन्यथा की स्थिति में परीक्षाफल घोषित होने के 90 दिनों के पश्चात् सम्बन्धित की उत्तर पुस्तिकाएं/अधिन्यास पुस्तिकाएं/प्रोजेक्ट कार्य को नष्ट/बिक्री कर दिया जायेगा।" सत्राँत परीक्षा के परीक्षाफल घोषित होने के 90 दिन के पश्चात् उत्तर पुस्तिकाएं/अधिन्यास पुस्तिकाएं/प्रोजेक्ट पुस्तिकाएं/प्रोजेक्ट कार्य को नष्ट/बिक्री किये जाने का निर्णय लिया।	दिनाँक 14–07–2017 को सम्पन्न कार्य परिषद् की बैठक में विद्या परिषद् की अनुशंसा को यथावत स्वीकार किया गया। निर्णयानुसार विश्वविद्यालय के पत्र संख्या ओ.यू./814/2017 दिनाँक 22–08–2017 द्वारा परीक्षा नियंत्रक को पत्र प्रेषित किया जा चुका है। कोई कार्यवाही अपेक्षित नहीं है।
46.10	दिनाँक 03–07–2017 को समाज विज्ञान विद्या शाखा बोर्ड की सम्पन्न बैठक की अनुशंसा पर विचार।	विद्या परिषद् ने दिनाँक 03–07–2017 को समाज विज्ञान विद्या शाखा बोर्ड की सम्पन्न बैठक की अनुशंसा को यथावत स्वीकार किये जाने का निर्णय लिया।	दिनाँक 14–07–2017 को सम्पन्न कार्य परिषद् की बैठक में विद्या परिषद् की अनुशंसा को यथावत स्वीकार किया गया। निर्णयानुसार विश्वविद्यालय के पत्र संख्या ओ.यू./815/2017 दिनाँक 22–08–2017 द्वारा प्रभारी, समाज विज्ञान विद्या शाखा को पत्र प्रेषित किया जा चुका है।

46.11	दिनाँक 22–06–2017, 29–06–2017 एवं 03 –07–2017 को प्रबन्धन अध्ययन विद्या शाखा बोर्ड की सम्पन्न बैठक की अनुशंसा पर विचार।	विद्या परिषद् ने दिनाँक 22–06–2017, 29–06–2017 को प्रबन्धन अध्ययन विद्या शाखा बोर्ड की सम्पन्न बैठक की अनुशंसा को यथावत स्वीकार किया एवं 03–07–2017 के बिन्दु 01 को यथावत व बिन्दु संख्या 02 से एम.बी.ए. कार्यक्रम के अन्तर्गत प्रोजेक्ट को समाप्त किये जाने का निर्णय लिया। विद्या परिषद् ने यह भी निर्णय लिया कि स्नातक स्तर के कार्यक्रमों को विश्वविद्यालय अनुदान आयोग, नई दिल्ली से अनुमति के पश्चात् ही प्रारम्भ किया जाय।	दिनाँक 14–07–2017 को सम्पन्न कार्य परिषद् की बैठक में विद्या परिषद् की अनुशंसा को यथावत स्वीकार किया गया। निर्णयानुसार विश्वविद्यालय के पत्र संख्या ओ.यू./813/2017 दिनाँक 22–08–2017 द्वारा निदेशक, प्रबन्धन अध्ययन विद्या शाखा को पत्र प्रेषित किया जा चुका है।
46.12	दिनाँक 09–06–2017 एवं 30–06–2017 को मानविकी विद्या शाखा बोर्ड की सम्पन्न बैठक की अनुशंसा पर विचार।	विद्या परिषद् ने दिनाँक 09–06–2017 एवं 30–06–2017 को मानविकी विद्या शाखा बोर्ड की सम्पन्न बैठक की अनुशंसा को यथावत स्वीकार किये जाने का निर्णय लिया।	दिनाँक 14–07–2017 को सम्पन्न कार्य परिषद् की बैठक में विद्या परिषद् की अनुशंसा को यथावत स्वीकार किया गया। निर्णयानुसार विश्वविद्यालय के पत्र संख्या ओ.यू./816/2017 दिनाँक 22–08–2017 द्वारा निदेशक, मानविकी विद्या शाखा को पत्र प्रेषित किया जा चुका है।
46.13	दिनाँक 01–07–2017 को कृषि विज्ञान विद्या शाखा बोर्ड की सम्पन्न बैठक की अनुशंसा पर विचार।	विद्या परिषद् ने दिनाँक 01–07–2017 को कृषि विज्ञान विद्या शाखा बोर्ड की सम्पन्न बैठक की अनुशंसा को यथावत स्वीकार किये जाने का निर्णय लिया।	दिनाँक 14–07–2017 को सम्पन्न कार्य परिषद् की बैठक में विद्या परिषद् की अनुशंसा को यथावत स्वीकार किया गया। निर्णयानुसार विश्वविद्यालय के पत्र संख्या ओ.यू./817/2017 दिनाँक 22–08–2017 द्वारा निदेशक, कृषि विज्ञान विद्या शाखा को पत्र प्रेषित किया जा चुका है।

46.14	दिनाँक 29–06–2017 को शिक्षा विद्या शाखा बोर्ड की सम्पन्न बैठक की अनुशंसा पर विचार।	विद्या परिषद् ने दिनाँक 29–06–2017 को शिक्षा विद्या शाखा बोर्ड की सम्पन्न बैठक की अनुशंसा को कतिपय संशोधन (एम.ए. शिक्षा शास्त्र कार्यक्रम से परियोजना कार्य को अन्य विद्या शाखाओं के समान शिक्षार्थियों की सुविधा को दृष्टिगत रखते हुए समाप्त किये जाय) के साथ स्वीकार किये जाने का निर्णय लिया।	दिनाँक 14–07–2017 को सम्पन्न कार्य परिषद् की बैठक में विद्या परिषद् की अनुशंसा को यथावत स्वीकार किया गया। निर्णयानुसार विश्वविद्यालय के पत्र संख्या ओ.यू./819/2017 दिनाँक 22–08–2017 द्वारा प्रो. पी.के. पाण्डेय, शिक्षा विद्या शाखा को पत्र प्रेषित किया जा चुका है।
46.15	दिनाँक 03–07–2017 को विज्ञान विद्या शाखा एवं कम्प्यूटर एवं सूचना विज्ञान विद्या शाखा बोर्ड की सम्पन्न बैठक की अनुशंसा पर विचार।	विद्या परिषद् ने दिनाँक 03–07–2017 को विज्ञान विद्या शाखा एवं कम्प्यूटर एवं सूचना विज्ञान विद्या शाखा बोर्ड की सम्पन्न बैठक की अनुशंसा को यथावत स्वीकार किये जाने का निर्णय लिया।	दिनाँक 14–07–2017 को सम्पन्न कार्य परिषद् की बैठक में विद्या परिषद् की अनुशंसा को यथावत स्वीकार किया गया। निर्णयानुसार विश्वविद्यालय के पत्र संख्या ओ.यू./820/2017 दिनाँक 22–08–2017 द्वारा निदेशक, विज्ञान विद्या शाखा एवं कम्प्यूटर एवं सूचना विज्ञान विद्या शाखा बोर्ड को पत्र प्रेषित किया जा चुका है।
46.16	दिनाँक 03–07–2017 को स्वास्थ्य विज्ञान विद्या शाखा बोर्ड की सम्पन्न बैठक की अनुशंसा पर विचार।	विद्या परिषद् ने दिनाँक 03–07–2017 को स्वास्थ्य विज्ञान विद्या शाखा बोर्ड की सम्पन्न बैठक की अनुशंसा को यथावत स्वीकार किया एवं मेडिकल टेक्नीशियन एवं फार्मेसी सम्बन्धी कार्यक्रमों को प्रारम्भ करने से पूर्व इन कार्यक्रमों के संचालन की मान्यता देने वाले नियामक संस्थान से मान्यता प्राप्त करने के पश्चात् ही कार्यक्रम संचालित किये जाने का निर्णय लिया।	दिनाँक 14–07–2017 को सम्पन्न कार्य परिषद् की बैठक में विद्या परिषद् की अनुशंसा को यथावत स्वीकार किया गया। निर्णयानुसार विश्वविद्यालय के पत्र संख्या ओ.यू./821/2017 दिनाँक 22–08–2017 द्वारा निदेशक, स्वास्थ्य विज्ञान विद्या शाखा बोर्ड को पत्र प्रेषित किया जा चुका है।

कार्य सूची बिन्दु संख्या 47.03

सत्र 2017–18 से प्रारम्भ होने वाले 27 नवीन कार्यक्रमों को अध्ययन केन्द्रों को आवंटित करने हेतु दिशा–निर्देश/शर्तों के निर्माण हेतु दिनाँक 24–07–2017 को सम्पन्न बैठक की अनुशंसा पर विचार

सत्र 2017–18 से प्रारम्भ होने वाले 27 नवीन कार्यक्रमों को अध्ययन केन्द्रों को आवंटित करने हेतु दिशा–निर्देश/शर्तों के निर्माण हेतु दिनाँक 24–07–2017 को सम्पन्न बैठक की अनुशंसा संलग्नक 02 पृष्ठ संख्या 29–31 पर उपलब्ध है।

अतः प्रकरण विद्या परिषद् के समक्ष विचारार्थ प्रस्तुत है।

विद्या परिषद् ने प्रश्नगत बिन्दु पर विचार किया।

विद्या परिषद् ने सत्र 2017–18 से प्रारम्भ होने वाले 27 नवीन कार्यक्रमों को अध्ययन केन्द्रों को आवंटित करने हेतु दिशा–निर्देश/शर्तों के निर्माण हेतु दिनाँक 24–07–2017 को सम्पन्न बैठक की अनुशंसा को यथावत स्वीकार किया।

कार्य सूची बिन्दु संख्या 47.04

दिनाँक 19–08–2017 को मानविकी विद्या शाखा बोर्ड की सम्पन्न बैठक की अनुशंसा पर विचार

दिनाँक 19–08–2017 को मानविकी विद्या शाखा बोर्ड की सम्पन्न बैठक की अनुशंसा संलग्नक 03 पृष्ठ संख्या 32–35 पर उपलब्ध है।

अतः प्रकरण विद्या परिषद् के समक्ष विचारार्थ प्रस्तुत है।

विद्या परिषद् ने प्रश्नगत बिन्दु पर विचार किया।

विद्या परिषद् ने दिनाँक 19–08–2017 को मानविकी विद्या शाखा बोर्ड की सम्पन्न बैठक की अनुशंसा को यथावत स्वीकार किया।

कार्य सूची बिन्दु संख्या 47.05

दिनाँक 05–08–2017 को विज्ञान विद्या शाखा एवं कम्प्यूटर एवं सूचना विज्ञान विद्या शाखा बोर्ड की सम्पन्न बैठक की अनुशंसा पर विचार

दिनाँक 05–08–2017 को विज्ञान विद्या शाखा एवं कम्प्यूटर एवं सूचना विज्ञान विद्या शाखा बोर्ड की सम्पन्न बैठक की अनुशंसा संलग्नक 04 पृष्ठ संख्या 36–41 पर उपलब्ध है।

अतः प्रकरण विद्या परिषद् के समक्ष विचारार्थ प्रस्तुत है।

विद्या परिषद् ने प्रश्नगत बिन्दु पर विचार किया।

विद्या परिषद् ने दिनाँक 05–08–2017 को विज्ञान विद्या शाखा एवं कम्प्यूटर एवं सूचना विज्ञान विद्या शाखा बोर्ड की सम्पन्न बैठक की अनुशंसा को यथावत स्वीकार किया।

कार्य सूची बिन्दु संख्या 47.06

दिनाँक 18–08–2017 को प्रबन्धन अध्ययन विद्या शाखा बोर्ड की सम्पन्न बैठक की अनुशंसा पर विचार

दिनाँक 18–08–2017 को प्रबन्धन अध्ययन विद्या शाखा बोर्ड की सम्पन्न बैठक की अनुशंसा **संलग्नक 05 पृष्ठ संख्या 42..... पर उपलब्ध है।**

अतः प्रकरण विद्या परिषद् के समक्ष विचारार्थ प्रस्तुत है।

विद्या परिषद् ने प्रश्नगत बिन्दु पर विचार किया।

विद्या परिषद् ने दिनाँक 18–08–2017 को प्रबन्धन अध्ययन विद्या शाखा बोर्ड की सम्पन्न बैठक की अनुशंसा को यथावत स्वीकार किया।

कार्य सूची बिन्दु संख्या 47.07

दिनाँक 22–08–2017 को समाज विज्ञान विद्या शाखा बोर्ड की सम्पन्न बैठक की अनुशंसा पर विचार

दिनाँक 22–08–2017 को समाज विज्ञान विद्या शाखा बोर्ड की सम्पन्न बैठक की अनुशंसा **संलग्नक 06 पृष्ठ संख्या 43-54.. पर उपलब्ध है।**

अतः प्रकरण विद्या परिषद् के समक्ष विचारार्थ प्रस्तुत है।

विद्या परिषद् ने प्रश्नगत बिन्दु पर विचार किया।

विद्या परिषद् ने दिनाँक 22–08–2017 को समाज विज्ञान विद्या शाखा बोर्ड की सम्पन्न बैठक की अनुशंसा को अस्वीकार किये जाने का निर्णय लिया।

कार्य सूची बिन्दु संख्या 47.08

पं0 दीन दयाल उपाध्याय शोध केन्द्र की स्थापना के प्रस्ताव पर विचार

पंडित दीन दयाल उपाध्याय रिसर्च सेण्टर ऑन डिस्टेन्स एजूकेशन एवं पंडित दीन दयाल उपाध्याय

पीठ स्थापित किये जाने के सम्बन्ध में कार्य परिषद् की बैठक दिनाँक 14 जुलाई, 2017 के संकल्प संख्या 91.13 में निम्नलिखित निर्णय लिया :–

> **कार्य परिषद् ने पंडित दीन दयाल उपाध्याय रिसर्च सेण्टर ऑन डिस्टेन्स एजूकेशन एवं पंडित दीन दयाल उपाध्याय पीठ स्थापित किये जाने एवं शासन को प्रस्ताव प्रेषित किये जाने का निर्णय लिया। इस कार्य हेतु प्रो. पी.के. पाण्डेय, शिक्षा विद्या शाखा एवं पूर्व निदेशक, शिक्षा विद्या शाखां डॉ. एस.पी. गुप्ता को इस आशय का प्रस्ताव बनाये जाने हेतु अधिकृत किया।**

उक्त निर्णय के अनुपालन में पं0 दीन दयाल उपाध्याय शोध केन्द्र की स्थापना सम्बन्धी प्रस्ताव **संलग्नक 07 पृष्ठ संख्या** 55-63 **पर उपलब्ध है।**

अतः प्रकरण विद्या परिषद् के समक्ष विचारार्थ प्रस्तुत है।

विद्या परिषद् ने प्रश्नगत बिन्दु पर विचार किया।

विद्या परिषद् ने पं0 दीन दयाल उपाध्याय शोध केन्द्र की स्थापना के प्रस्ताव को यथावत स्वीकार किया।

कार्य सूची बिन्दु संख्या 47.09

विश्वविद्यालय में जम्मू कश्मीर अध्ययन केन्द्र की स्थापना के प्रस्ताव पर विचार

जम्मू कश्मीर भारत का एक अभिन्न अंग एवं प्राकृतिक रूप से अति सुन्दर राज्य है। दुर्भाग्य से विगत कई वर्षों से राज्य में हिंसा एवं अशांति व्याप्त है और वहाँ की समस्या केवल स्थानीय न हो करके सम्पूर्ण राष्ट्र के जनमानस को व्यथित कर रही है। जम्मू कश्मीर के बारे में कई देशद्रोही संगठनों द्वारा भ्रामक प्रचार किया जा रहा है जिसका गलत संदेश जा रहा है। इन तमाम विसंगतियों को दूर करने हेतु एवं जम्मू कश्मीर में व्याप्त समस्याओं के समाधान हेतु विश्वविद्यालय में जम्मू कश्मीर अध्ययन केन्द्र स्थापित करना अति आवश्यक है। यह अध्ययन केन्द्र जम्मू कश्मीर राज्य की विभिन्न समस्याओं पर अध्ययन करेगी एवं उनके समाधान तथा राज्य के विकास के बारे में सरकार को सुझाव प्रेषित करेगी।

अतः प्रकरण विद्या परिषद् के समक्ष विचारार्थ प्रस्तुत है।

विद्या परिषद् ने प्रश्नगत बिन्दु पर विचार किया।

विद्या परिषद् ने विश्वविद्यालय में जम्मू कश्मीर अध्ययन केन्द्र की स्थापना के प्रस्ताव स्वीकार किये जाने का निर्णय लिया।

कार्य सूची बिन्दु संख्या 47.10

विश्वविद्यालय अनुदान आयोग अधिसूचना, नई दिल्ली 23 जून, 2017 जो भारत के राजपत्र में प्रकाशित है, पर विचार

विश्वविद्यालय में विगत वर्षो से संचालित शून्य से 10 संख्या वाले प्रमाण पत्र, डिप्लोमा एवं पी.जी. डिप्लोमा कार्यक्रमों के SLM को ऑन लाइन किये जाने के सम्बन्ध में विश्वविद्यालय कार्य परिषद् की बैठक दिनाँक 14–07–2017 के संकल्प संख्या में निम्नलिखित निर्णय लिया :–

विद्या परिषद् ने शून्य से 10 छात्र संख्या वाले प्रमाण पत्र, डिप्लोमा एवं पी.जी. डिप्लोमा कार्यक्रमों के वर्तमान में उपलब्ध SLM के समाप्त होने के पश्चात् SLM को ऑन लाइन किए जाने तथा SLM का पुनः मुद्रण न कराये जाने का निर्णय लिया।

विश्वविद्यालय अनुदान आयोग, नई दिल्ली 23 जून, 2017 जो भारत के राजपत्र में प्रकाशित अधिसूचना के भाग–IV के बिन्दु 15 (6) में दी गयी व्यवस्था के अनुसार कि

"मुद्रित रूप में स्व–ज्ञान अर्जन सामग्री को शिक्षार्थियों को अनिवार्य रूप से प्रदान किया जायेगा और साथ ही, उच्च शिक्षा संस्थान ऑन लाइन पद्धति से कॉम्पैक्ट डिस्क आदि माध्यमों से अतिरिक्त शिक्षण संसाधन प्रदान कर सकते हैं।"

अतः प्रकरण विद्या परिषद् के समक्ष विचारार्थ प्रस्तुत है।

विद्या परिषद् ने प्रश्नगत बिन्दु पर विचार किया।

विद्या परिषद् ने विश्वविद्यालय अनुदान आयोग, नई दिल्ली 23 जून, 2017 जो भारत के राजपत्र में प्रकाशित अधिसूचना के भाग–IV के बिन्दु 15 (6) में दी गयी व्यवस्था को यथावत स्वीकार किये जाने का निर्णय लिया।

अध्यक्ष के प्रति धन्यवाद प्रस्ताव पारित करने के उपरान्त बैठक की कार्यवाही समाप्त हुई।

प्रो.(डॉ.) जी.एस. शुक्ल
कुलसचिव

संलग्नक - 01

उत्तर प्रदेश राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, इलाहाबाद

दिनाँक 04–07–2017 को अपराह्न 3:00 बजे विश्वविद्यालय के कमेटी कक्ष में सम्पन्न विद्या परिषद् की 46वीं बैठक का कार्यवृत्त

उपस्थिति :

1.	प्रो. एस.पी. दुबे, कुलपति, उ.प्र. राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, इलाहाबाद	अध्यक्ष
2.	प्रो. राजेन्द्र प्रसाद, कुलपति, इलाहाबाद राज्य विश्वविद्यालय, इलाहाबाद	सदस्य
3.	प्रो. एच.एस. उपाध्याय, दर्शनशास्त्र विभाग, इलाहाबाद विश्वविद्यालय, इलाहाबाद	सदस्य
4.	डॉ. ओम जी गुप्ता, निदेशक, प्रबन्धन अध्ययन विद्या शाखा, उत्तर प्रदेश राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, इलाहाबाद	सदस्य
5.	डॉ. प्रेम प्रकाश दुबे, निदेशक, कृषि विज्ञान विद्या शाखा, उत्तर प्रदेश राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, इलाहाबाद	सदस्य
6.	डॉ. आर.पी.एस. यादव, निदेशक, मानविकी विद्या शाखा, उत्तर प्रदेश राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, इलाहाबाद	सदस्य
7.	डॉ. आशुतोष गुप्ता, निदेशक, विज्ञान विद्या शाखा, उत्तर प्रदेश राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, इलाहाबाद	सदस्य
8.	प्रो. सुधाँशु पाण्डेय, समाज विज्ञान विद्या शाखा, उत्तर प्रदेश राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, इलाहाबाद	सदस्य
9.	डॉ. टी.एन. दुबे, पुस्तकालयाध्यक्ष, उ.प्र. राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, इलाहाबाद	सदस्य
10.	डॉ. इति तिवारी, एसोसिएट प्रोफेसर, समाज विज्ञान विद्या शाखा, उत्तर प्रदेश राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, इलाहाबाद	सदस्य
11.	डॉ. संतोषा कुमार, एसोसिएट प्रोफेसर, समाज विज्ञान विद्या शाखा, उत्तर प्रदेश राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, इलाहाबाद	सदस्य
12.	डॉ. मुकेश कुमार असिस्टेण्ट प्रोफेसर, शिक्षा विद्या शाखा,	सदस्य

उत्तर प्रदेश राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, इलाहाबाद

13. श्री एस.पी. सिंह — विशेष आमंत्रित
वित्त अधिकारी,
उ.प्र. राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, इलाहाबाद

14. प्रो.(डॉ.) जी.एस. शुक्ल — सदस्य–सचिव
निदेशक, स्वास्थ्य विज्ञान विद्या शाखा/कुलसचिव,
उ.प्र. राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, इलाहाबाद

निम्नलिखित सदस्य बैठक में उपस्थित न हो सके :

(1) डॉ. अरविन्द दीक्षित,
कुलपति, डॉ. भीमराव अम्बेडकर विश्वविद्यालय,
आगरा

(2) प्रो. बी.एम. शर्मा,
फारमर चेयरमैन, आर.एस.पी.एस.सी.,
पूर्व कुलपति, कोटा विश्वविद्यालय (राजस्थान)

(3) प्रो. के.एस. मिश्र,
डीन, (कला संकाय) इलाहाबाद विश्वविद्यालय,
इलाहाबाद

(4) प्रो. पी.के. पाण्डेय,
शिक्षा विद्या शाखा,
उत्तर प्रदेश राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, इलाहाबाद

(5) डॉ. श्रुति,
असिस्टेण्ट प्रोफेसर, विज्ञान विद्या शाखा,
उत्तर प्रदेश राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, इलाहाबाद

कार्यसूची के अनुसार कार्यवाही प्रारम्भ करने के पूर्व कुलपति जी ने सभी सदस्यों का अभिनन्दन एवं स्वागत किया तथा उनके सहयोग की अपेक्षा की।

कार्य सूची बिन्दु संख्या 46.01

विद्या परिषद् की पिछली बैठक दिनाँक 10–04–2017 के कार्यवृत्त की पुष्टि

दिनाँक 10–04–2017 को सम्पन्न विद्या परिषद् की बैठक के कार्यवृत्त की प्रति सभी सम्मानित सदस्यों को प्रेषित की जा चुकी है। बैठक का कार्यवृत्त संलग्नक ' ' पृष्ठ संख्या ..... पर उपलब्ध है। किसी सदस्य से कोई टिप्पणी प्राप्त नहीं हुई है। कार्यवृत्त पुष्टि हेतु प्रस्तुत है।

विद्या परिषद् ने प्रश्नगत बिन्दु पर विचार किया।

विद्या परिषद् ने अपनी पिछली बैठक दिनाँक 10–04–2017 के कार्यवृत्त की पुष्टि की।

कार्य सूची बिन्दु संख्या 46.02

विद्या परिषद् की पिछली बैठक दिनाँक 10–04–2017 में लिए गये निर्णयों पर की गयी कार्यवाही से अवगत होना।

विद्या परिषद् अपनी बैठक दिनाँक 10–04–2017 लिए गये निर्णयों पर की गयी कार्यवाही से निम्न विवरण के अनुसार अवगत हुई :–

संकल्प संख्या	पिछली बैठक की कार्यसूची	पिछली बैठक में लिये गये निर्णय	पिछली बैठक में लिये गये निर्णयों पर की गई कार्यवाही
44.01	विद्या परिषद् की पिछली बैठक दिनाँक 21–11–2016 के कार्यवृत्त की पुष्टि	पुष्टि की गयी।	कोई कार्यवाही अपेक्षित नहीं है।
44.02	विद्या परिषद् की पिछली बैठक दिनाँक 21–11–2016 में लिए गये निर्णयों पर की गयी कार्यवाही से अवगत होना।	अवगत होने से सम्बन्धित है।	कोई कार्यवाही अपेक्षित नहीं है।
44.03	विद्या परिषद् की पिछली आपातकालीन बैठक दिनाँक 24–12–2016 के कार्यवृत्त की पुष्टि।	पुष्टि की गयी।	कोई कार्यवाही अपेक्षित नहीं है।
44.04	विद्या परिषद् की पिछली आपातकालीन बैठक दिनाँक 24–12–2016 में लिए गये निर्णयों पर की गयी कार्यवाही से अवगत होना।	अवगत होने से सम्बन्धित है।	कोई कार्यवाही अपेक्षित नहीं है।
44.05	विद्या परिषद् की पिछली बैठक दिनाँक 18–02–2017 के कार्यवृत्त की पुष्टि।	पुष्टि की गयी।	कोई कार्यवाही अपेक्षित नहीं है।
44.06	विद्या परिषद् की पिछली बैठक दिनाँक 18–02–2017 में लिए गये निर्णयों पर की गयी कार्यवाही से	अवगत होने से सम्बन्धित है।	कोई कार्यवाही अपेक्षित नहीं है।

	अवगत होना।		
44.07	दिनाँक 01–04–2017 एवं 07–04–2017 को कम्प्यूटर एवं सूचना विज्ञान विद्या शाखा बोर्ड की सम्पन्न बैठक की अनुशंसा पर विचार।	विद्या परिषद् ने संलग्न संरचना के कतिपय संशोधनोपरान्त मा. कुलपति जी के अनुमोदनोपरान्त स्वीकार किये जाने का निर्णय लिया।	दिनाँक 13–04–2017 को सम्पन्न कार्य परिषद् की बैठक में विद्या परिषद् की अनुशंसा को यथावत स्वीकार किया गया। निर्णयानुसार विश्वविद्यालय के पत्र संख्या ओ.यू./377/2017 दिनाँक 12–06–2017 द्वारा निदेशक, कम्प्यूटर एवं सूचना विज्ञान विद्या शाखा को पत्र प्रेषित किया जा चुका है। कार्यवाही की जा रही है।
44.08	दिनाँक 06–04–2017 को मानविकी विद्या शाखा बोर्ड की सम्पन्न बैठक की अनुशंसा पर विचार।	विद्या परिषद् ने संलग्न संरचना के कतिपय संशोधनोपरान्त मा. कुलपति जी के अनुमोदनोपरान्त स्वीकार किये जाने का निर्णय लिया।	दिनाँक 13–04–2017 को सम्पन्न कार्य परिषद् की बैठक में विद्या परिषद् की अनुशंसा को यथावत स्वीकार किया गया। निर्णयानुसार विश्वविद्यालय के पत्र संख्या ओ.यू./376/2017 दिनाँक 12–06–2017 द्वारा निदेशक, मानविकी विद्या शाखा को पत्र प्रेषित किया जा चुका है। कोई कार्यवाही अपेक्षित नहीं है।
44.09	दिनाँक 27–03–2017 को शिक्षा विद्या शाखा बोर्ड की सम्पन्न बैठक की अनुशंसा पर विचार।	विद्या परिषद् ने दिनाँक 27–03–2017 को शिक्षा विद्या शाखा बोर्ड की सम्पन्न बैठक की अनुशंसा को यथावत स्वीकार किय जाने का निर्णय लिया।	दिनाँक 13–04–2017 को सम्पन्न कार्य परिषद् की बैठक में विद्या परिषद् की अनुशंसा को यथावत स्वीकार किया गया। निर्णयानुसार विश्वविद्यालय के पत्र संख्या ओ.यू./369/2017 दिनाँक 12–06–2017 द्वारा शिक्षा

			विद्या शाखा को पत्र प्रेषित किया जा चुका है। कोई कार्यवाही अपेक्षित नहीं है।
44.10	विश्वविद्यालय में नये कार्यक्रमों को प्रारम्भ किये जाने सम्बन्धी प्रकरण पर विचार।	विद्या परिषद् ने विश्वविद्यालय में नये कार्यक्रमों को प्रारम्भ किये जाने सम्बन्धी प्रस्ताव को स्वीकार किये जाने का निर्णय लिया।	दिनाँक 13–04–2017 को सम्पन्न कार्य परिषद् की बैठक में विद्या परिषद् की अनुशंसा को यथावत स्वीकार किया गया। निर्णयानुसार विश्वविद्यालय के पत्र संख्या ओ.यू./367/2017 दिनाँक 12–06–2017 द्वारा निदेशक, कृषि विद्या शाखा एवं ओ.यू./368/2017 दिनाँक 12–06–2017 द्वारा निदेशक, स्वास्थ्य विज्ञान विद्या शाखा को पत्र प्रेषित किया जा चुका है। कार्यवाही की जा रही है।
44.11	विश्वविद्यालय में मानवाधिकार शिक्षा पर पाठ्यक्रम संचालित किये जाने के सम्बन्ध में दिनाँक 21 नवम्बर, 2016 को सम्पन्न विद्या परिषद् की बैठक के निर्णय के अनुपालन में "मानवाधिकार एवं कर्तव्य" प्रश्न पत्र अनिवार्य एवं वैकल्पिक आधार पाठ्यक्रम के रूप में स्नातक स्तर पर सभी विद्या शाखाओं में संचालित किये जाने के सम्बन्ध में समस्त निदेशकों की दिनाँक 13–02–2017 की बैठक का कार्यवृत्त पर विचार।	विद्या परिषद् ने विश्वविद्यालय में मानवाधिकार शिक्षा पर पाठ्यक्रम संचालित किये जाने के सम्बन्ध में दिनाँक 21 नवम्बर, 2016 को सम्पन्न विद्या परिषद् की बैठक के निर्णय के अनुपालन में "मानवाधिकार एवं कर्तव्य" प्रश्न पत्र अनिवार्य एवं वैकल्पिक आधार पाठ्यक्रम के रूप में स्नातक स्तर पर सभी विद्या शाखाओं में संचालित किये जाने के सम्बन्ध में समस्त निदेशकों की दिनाँक 13–02–2017 की बैठक का कार्यवृत्त को यथावत स्वीकार किये जाने का निर्णय लिया।	दिनाँक 13–04–2017 को सम्पन्न कार्य परिषद् की बैठक में विद्या परिषद् की अनुशंसा को यथावत स्वीकार किया गया। निर्णयानुसार विश्वविद्यालय के पत्र संख्या ओ.यू./366/2017 दिनाँक 12–06–2017 द्वारा प्रभारी, समाज विज्ञान विद्या शाखा को पत्र प्रेषित किया जा चुका है। निर्णयानुसार कार्यवाही की जा चुकी है।
44.12	अध्ययन केन्द्रों के प्राचार्य, समन्वयक, सहायक समन्वयक तथा अन्य कर्मचारियों को दिये जाने वाले	विद्या परिषद् ने अध्ययन केन्द्रों के प्राचार्य, समन्वयक, सहायक समन्वयक तथा अन्य कर्मचारियों को दिये जाने वाले मानदेय की	दिनाँक 13–04–2017 को सम्पन्न कार्य परिषद् की बैठक में विद्या परिषद् की अनुशंसा

	मानदेय की दर संशोधन हेतु गठित समिति की बैठक दिनाँक 03–04–2017 की अनुशंसा पर विचार।	दर संशोधन हेतु गठित समिति की बैठक दिनाँक 03–04–2017 की अनुशंसा को यथावत स्वीकार किये जाने का निर्णय लिया।	को यथावत स्वीकार किया गया। निर्णयानुसार विश्वविद्यालय के पत्र संख्या ओ.यू./375/2017 दिनाँक 12–06–2017 द्वारा वित्त अधिकारी को पत्र प्रेषित किया जा चुका है। कार्यवाही की जा रही है।
44.13	दिनाँक 03–04–2017 को योजना बोर्ड की की सम्पन्न बैठक के कार्यवृत्त पर विचार		
1.	विश्वविद्यालय के सरस्वती परिसर स्थित याज्ञवल्क्य ग्रन्थालय के द्वितीय तल पर परीक्षा हाल के निर्माण के अद्यतन स्थिति से अवगत होना	योजना बोर्ड विश्वविद्यालय के सरस्वती परिसर स्थित याज्ञवल्क्य ग्रन्थालय के द्वितीय तल पर परीक्षा हाल के निर्माण के अद्यतन स्थिति से अवगत हुई। विद्या परिषद् योजना बोर्ड की अनुशंसा से अवगत हुई।	कोई कार्यवाही अपेक्षित नहीं है।
2.	विश्वविद्यालय के यमुना परिसर में कर्मचारी आवास टाइप–01 एवं टाइप–02 से सम्बन्धित निर्माण कार्य के अद्यतन स्थिति से अवगत होना।	योजना बोर्ड विश्वविद्यालय के यमुना परिसर में कर्मचारी आवास टाइप–01 एवं टाइप–02 से सम्बन्धित निर्माण कार्य के अद्यतन स्थिति से अवगत हुई। विद्या परिषद् योजना बोर्ड की अनुशंसा से अवगत हुई।	कोई कार्यवाही अपेक्षित नहीं है।
3.	विश्वविद्यालय के यमुना परिसर में कर्मचारी आवास टाइप–03 से सम्बन्धित निर्माण कार्य के अद्यतन स्थिति से अवगत होना।	योजना बोर्ड विश्वविद्यालय के यमुना परिसर में कर्मचारी आवास टाइप–03 से सम्बन्धित निर्माण कार्य के अद्यतन स्थिति से अवगत हुई। विद्या परिषद् योजना बोर्ड की अनुशंसा से अवगत हुई।	कोई कार्यवाही अपेक्षित नहीं है।
4.	विश्वविद्यालय के प्रशासनिक भवन के मानचित्र के अनुसार द्वितीय तल के	योजना बोर्ड ने विश्वविद्यालय के प्रशासनिक भवन के मानचित्र के अनुसार द्वितीय तल के निर्माण कराये जाने एवं छतरी लगाये जाने का	कार्यवाही प्रक्रियाधीन है।

	निर्माण कराये जाने पर विचार।	निर्णय लिया। विद्या परिषद् ने योजना बोर्ड की अनुशंसा को यथावत स्वीकार किया।	
5.	विश्वविद्यालय के प्रशासनिक भवन के प्रथम तल के निर्माण के अद्यतन स्थिति से अवगत होना।	योजना बोर्ड विश्वविद्यालय के प्रशासनिक भवन के प्रथम तल के निर्माण के अद्यतन स्थिति से अवगत हुई। विद्या परिषद् योजना बोर्ड की अनुशंसा से अवगत हुई।	कोई कार्यवाही अपेक्षित नहीं है।
6.	विश्वविद्यालय के प्रशासनिक भवन के प्रथम तल में निर्मित भवन की साज–सज्जा कराये जाने पर विचार।	योजना बोर्ड ने विश्वविद्यालय के प्रशासनिक भवन के प्रथम तल में निर्मित भवन की साज–सज्जा कराये जाने का निर्णय लिया। विद्या परिषद् ने योजना बोर्ड की अनुशंसा को यथावत स्वीकार किया।	निर्णयानुसार कार्यवाही की जा रही है।
7.	विश्वविद्यालय में 1000 व्यक्तियों की क्षमता के आडिटोरियम कम मल्टीपरपज (Multipurpose) हाल के निर्माण की प्रगति से अवगत होना।	योजना बोर्ड विश्वविद्यालय में 1000 व्यक्तियों की क्षमता के आडिटोरियम कम मल्टीपरपज (Multipurpose) हाल के निर्माण की प्रगति से अवगत हुई। विद्या परिषद् योजना बोर्ड की अनुशंसा से अवगत हुई।	कोई कार्यवाही अपेक्षित नहीं है।
8.	विश्वविद्यालय के यमुना परिसर स्थित क्षेत्रीय केन्द्र, इलाहाबाद के भवन निर्माण के पूर्ण होने से अवगत होना।	योजना बोर्ड विश्वविद्यालय के यमुना परिसर स्थित क्षेत्रीय केन्द्र, इलाहाबाद के भवन निर्माण के पूर्ण होने से अवगत हुई एवं 12/12, कमला नेहरू रोड, (के.पी. गर्ल्स इण्टरमीडिएट कालेज के पास,) सिविल लाइन्स, इलाहाबाद स्थित क्षेत्रीय केन्द्र, इलाहाबाद (किराए के भवन) को नवनिर्मित भवन में शीघ्र स्थानान्तरित किये जाने की संस्तुति की। विद्या परिषद् योजना बोर्ड की अनुशंसा से अवगत हुई।	कोई कार्यवाही अपेक्षित नहीं है।

9.	विश्वविद्यालय के गेस्ट हाउस स्थित 02 वी.आई.पी.कक्षों को सुसज्जित कराये जाने से अवगत होना।	योजना बोर्ड विश्वविद्यालय के गेस्ट हाउस स्थित 02 वी.आई.पी.कक्षों को सुसज्जित कराये जाने से अवगत हुई एवं विश्वविद्यालय के गेस्ट हाउस स्थित भूतल पर (03 कमरे) एवं प्रथम तल में 01 वी.आई.पी. कक्ष में कमोट (वेस्टर्न) लगाये जाने का निर्णय लिया। विद्या परिषद् योजना बोर्ड की अनुशंसा से अवगत हुई।	निर्णयानसार कार्यवाही की जा चुकी है।
10.	विश्वविद्यालय के तीनों परिसरों (गंगा, यमुना एवं सरस्वती) में गार्ड रूम बनाये जाने पर विचार।	योजना बोर्ड ने विश्वविद्यालय के तीनों परिसरों (गंगा, यमुना एवं सरस्वती) में गार्ड रूम बनाये जाने सम्बन्धी प्रस्ताव को स्वीकार किये जाने का निर्णय लिया। विद्या परिषद् ने योजना बोर्ड की अनुशंसा को यथावत स्वीकार किया।	निर्णयानसार कार्यवाही की जा रही है।
11.	विश्वविद्यालय कार्य हेतु 01 टाटा ACE गाड़ी क्रय किये जाने पर विचार।	योजना बोर्ड ने विश्वविद्यालय कार्य हेतु 01 टाटा ACE गाड़ी क्रय किये जाने सम्बन्धी प्रस्ताव को स्वीकार किये जाने का निर्णय लिया। विद्या परिषद् ने योजना बोर्ड की अनुशंसा को यथावत स्वीकार किया।	कार्यवाही किया जाना है।
12	विश्वविद्यालय के क्षेत्रीय केन्द्र, लखनऊ हेतु भूमि क्रय किये जाने से अवगत होना।	योजना बोर्ड विश्वविद्यालय के क्षेत्रीय केन्द्र, लखनऊ हेतु भूमि क्रय किये जाने से अवगत हुई एवं अवशेष धनराशि निर्धारित तिथि तक भुगतान किए जाने की संस्तुति की। विद्या परिषद् योजना बोर्ड की अनुशंसा से अवगत हुई।	उत्तर प्रदेश आवास एवं विकास परिषद्, लखनऊ को सम्पूर्ण भुगतान कर भूमि के रजिस्ट्री की कार्यवाही की जा रही है।
13.	विश्वविद्यालय के क्षेत्रीय केन्द्र, गोरखपुर एवं वाराणसी हेतु भूमि/भवन के क्रय किये जाने सम्बन्धी कार्यवाही के अद्यतन स्थिति	योजना बोर्ड विश्वविद्यालय के क्षेत्रीय केन्द्र, गोरखपुर एवं वाराणसी हेतु भूमि/भवन के क्रय किये जाने सम्बन्धी कार्यवाही के अद्यतन स्थिति से अवगत हुई एवं शेष समस्त	निर्णयानुसार कार्यवाही की जा रही है।

	से अवगत होना।	विश्वविद्यालय के क्षेत्रीय केन्द्रों पर भूमि/भवन क्रय किये जाने की संस्तुति की। विद्या परिषद् योजना बोर्ड की अनुशंसा से अवगत हुई।	
14.	विश्वविद्यालय के क्षेत्रीय केन्द्र, इलाहाबाद से याज्ञवल्क्य ग्रन्थालय के प्रथम तल में स्थानान्तरित आडियो विजुअल लैब में साउण्ड प्रूफिंग एवं सुसज्जित कराये जाने पर विचार।	योजना बोर्ड ने विश्वविद्यालय के क्षेत्रीय केन्द्र, इलाहाबाद से याज्ञवल्क्य ग्रन्थालय के प्रथम तल में स्थानान्तरित आडियो विजुअल लैब में साउण्ड प्रूफिंग एवं सुसज्जित कराये जाने का निर्णय लिया। विद्या परिषद् ने योजना बोर्ड की अनुशंसा को यथावत स्वीकार किया।	निर्णयानसार कार्यवाही की जा चुकी है।
15.	विश्वविद्यालय के सरस्वती परिसर में छात्र/छात्राओं/आगन्तुकों हेतु वाशरूम बनाये जाने पर विचार	योजना बोर्ड ने विश्वविद्यालय के सरस्वती परिसर में छात्र/छात्राओं/आगन्तुकों हेतु वाशरूम बनाये जाने का निर्णय लिया। विद्या परिषद् ने योजना बोर्ड की अनुशंसा को यथावत स्वीकार किया।	कार्यवाही प्रक्रियाधीन है।
44.14	दिनाँक 10–04–2017 को मानविकी विद्या शाखा बोर्ड की सम्पन्न बैठक की अनुशंसा पर विचार।	विद्या परिषद् ने दिनाँक 10–04–2017 को मानविकी विद्या शाखा बोर्ड की सम्पन्न बैठक की अनुशंसा को यथावत स्वीकार किये जाने का निर्णय लिया।	दिनाँक 13–04–2017 को सम्पन्न कार्य परिषद् की बैठक में विद्या परिषद् की अनुशंसा को यथावत स्वीकार किया गया। निर्णयानुसार विश्वविद्यालय के पत्र संख्या ओ.यू./365/2017 दिनाँक 12–06–2017 द्वारा निदेशक, मानविकी विद्या शाखा को पत्र प्रेषित किया जा चुका है। कोई कार्यवाही अपेक्षित नहीं है।
44.15	विद्या परिषद् ने दीन दयाल उपाध्याय के राष्ट्र निर्माण में किये गये योगदान के दृष्टिगत प्रति वर्ष दीन दयाल उपाध्याय स्मृति व्याख्यानमाला	विद्या परिषद् ने दीन दयाल उपाध्याय के राष्ट्र निर्माण में किये गये योगदान के दृष्टिगत प्रति वर्ष दीन दयाल उपाध्याय स्मृति व्याख्यानमाला आयोजित कराये का जाने का	दिनाँक 13–04–2017 को सम्पन्न कार्य परिषद् की बैठक में विद्या परिषद् की अनुशंसा को यथावत स्वीकार किया

	आयोजित कराये का जाने का निर्णय लिया।	निर्णय लिया।	गया। निर्णयानुसार विश्वविद्यालय के पत्र संख्या ओ.यू./378/2017 दिनाँक 12–06–2017 द्वारा समस्त निदेशकों को पत्र प्रेषित किया जा चुका है। कोई कार्यवाही अपेक्षित नहीं है।

कार्य सूची बिन्दु संख्या 46.03

विद्या परिषद् की पिछली आपातकालीन बैठक दिनाँक 31–05–2017 के कार्यवृत्त की पुष्टि

दिनाँक 31–05–2017 को सम्पन्न विद्या परिषद् की आपातकालीन बैठक के कार्यवृत्त की प्रति सभी सम्मानित सदस्यों को प्रेषित की जा चुकी है। बैठक का कार्यवृत्त संलग्नक 02 पृष्ठ संख्या ..... पर उपलब्ध है। किसी सदस्य से कोई टिप्पणी प्राप्त नहीं हुई है। कार्यवृत्त पुष्टि हेतु प्रस्तुत है।

विद्या परिषद् ने प्रश्नगत बिन्दु पर विचार किया।

विद्या परिषद् ने अपनी पिछली आपातकालीन बैठक दिनाँक 31–05–2017 के कार्यवृत्त की पुष्टि की।

कार्य सूची बिन्दु संख्या 46.04

विद्या परिषद् की पिछली आपातकालीन बैठक दिनाँक 31–05–2017 में लिए गये निर्णयों पर की गयी कार्यवाही से अवगत होना

विद्या परिषद् अपनी आपातकालीन बैठक दिनाँक 31–05–2017 लिए गये निर्णयों पर की गयी कार्यवाही से निम्न विवरण के अनुसार अवगत हुई :–

संकल्प संख्या	पिछली बैठक की कार्यसूची	पिछली बैठक में लिये गये निर्णय	पिछली बैठक में लिये गये निर्णयों पर की गई कार्यवाही
45.01	यू.जी.सी. विनियम–2016 (Ph.D तथा M.Phil. कार्यक्रम से सम्बन्धित) में विहित प्राविधानों को सम्मिलित करते हुए विश्वविद्यालय द्वारा गठित समिति	विद्या परिषद् ने यू.जी.सी. विनियम–2016 (Ph.D तथा M.Phil. कार्यक्रम से सम्बन्धित) में विहित प्राविधानों को सम्मिलित करते हुए विश्वविद्यालय द्वारा गठित समिति द्वारा	दिनाँक 31–05–2017 को सम्पन्न कार्य परिषद् की आपातकालीन बैठक में विद्या परिषद् की अनुशंसा को

	द्वारा संशोधित अध्यादेश के प्रारूप के अनुमोदन पर विचार।	संशोधित अध्यादेश के प्रारूप का अनुमोदन किये जाने का निर्णय लिया।	यथावत स्वीकार किया गया। निर्णयानुसार विश्वविद्यालय के पत्र संख्या ओ.यू./333/2017 दिनाँक 02–06–2017 प्रमुख सचिव, उच्च शिक्षा, उच्च शिक्षा अनुभाग–1, उत्तर प्रदेश शासन, लखनऊ एवं पत्र संख्या ओ.यू./332/2017 दिनाँक 02–06–2017 अनु सचिव, उच्च शिक्षा अनुभाग–1, उत्तर प्रदेश शासन, लखनऊ को पत्र प्रेषित किया जा चुका है।
45.02	दिनाँक 29–04–2017 को कम्प्यूटर एवं सूचना विज्ञान विद्या शाखा बोर्ड की सम्पन्न बैठक की अनुशंसा पर विचार	विद्या परिषद् ने दिनाँक 29–04–2017 को कम्प्यूटर एवं सूचना विज्ञान विद्या शाखा बोर्ड की सम्पन्न बैठक की अनुशंसा को यथावत स्वीकार किये जाने का निर्णय लिया।	दिनाँक 31–05–2017 को सम्पन्न कार्य परिषद् की आपातकालीन बैठक में विद्या परिषद् की अनुशंसा को यथावत स्वीकार किया गया। निर्णयानुसार विश्वविद्यालय के पत्र संख्या ओ.यू./434/2017 दिनाँक 20–06–2017 को निदेशक, कम्प्यूटर एवं सूचना प्रौद्योगिकी विद्या शाखा को पत्र प्रेषित किया जा चुका है। कोई कार्यवाही की जा चुकी है।

<u>कार्य सूची बिन्दु संख्या 46.05</u>

<u>सत्र 2017–18 से सी.सी.वाई प्रमाण पत्र कार्यक्रम के प्रवेश शुल्क में वृद्धि किये जाने पर विचार</u>

सी.सी.वाई प्रमाण पत्र कार्यक्रम में 03 प्रायोगिक प्रश्न पत्र एवं 02 सैद्धांतिक प्रश्न पत्र होने के कारण परीक्षा पर व्यय भार अत्यधिक आता है एवं कार्यक्रम शुल्क रु0 2000/– अत्यन्त कम है। रु0 2000/– में सैद्धांतिक प्रश्न पत्रों, प्रायोगिक प्रश्न पत्रों एवं SLM इत्यादि शुल्क समाहित हैं, जिससे सम्पूर्ण शैक्षिक प्रक्रिया का सम्पादन कर पाना कठिन है।

अतः इसके स्थान पर कार्यक्रम शुल्क रु. 4000/– किये जाने सम्बन्धी प्रस्ताव विद्या परिषद् के समक्ष विचारार्थ प्रस्तुत है।

विद्या परिषद् ने प्रश्नगत बिन्दु पर विचार किया।

विद्या परिषद् ने सत्र 2017–18 से सी.सी.वाई प्रमाण पत्र कार्यक्रम के प्रवेश शुल्क में वृद्धि किये जाने सम्बंधी प्रस्ताव को स्वीकार किये जाने का निर्णय लिया।

कार्य सूची बिन्दु संख्या 46.06

विश्वविद्यालय में विगत वर्षो से संचालित शून्य से 10 संख्या वाले प्रमाण पत्र, डिप्लोमा एवं पी.जी. डिप्लोमा कार्यक्रमों के SLM को ऑन लाइन किये जाने पर विचार

दूरस्थ शिक्षार्थियों को त्वरित ज्ञान प्रदान करने, पर्यावरण संरक्षण एवं भारत सरकार की डिजिटल इण्डिया उद्देश्य की पूर्ति तथा प्रवेश के पश्चात् छः माह के अन्दर शिक्षार्थियों तक SLM की मुद्रित कापी पहुँचाने में आने वाली कठिनाइयों को दृष्टिगत रखते हुए प्रायोगिक तौर पर शून्य से 10 संख्या वाले प्रमाण पत्र, डिप्लोमा एवं पी.जी. डिप्लोमा कार्यक्रमों के SLM को ऑन लाइन किये जाने सम्बन्धी प्रस्ताव विद्या परिषद् के समक्ष विचारार्थ प्रस्तुत है।

विद्या परिषद् ने प्रश्नगत बिन्दु पर विचार किया।

विद्या परिषद् ने शून्य से 10 छात्र संख्या वाले प्रमाण पत्र, डिप्लोमा एवं पी.जी. डिप्लोमा कार्यक्रमों के वर्तमान में उपलब्ध SLM के समाप्त होने के पश्चात् SLM को ऑन लाइन किए जाने तथा SLM का पुनः मुद्रण न कराये जाने का निर्णय लिया।

कार्य सूची बिन्दु संख्या 46.07

विश्वविद्यालय द्वारा मुद्रित की जाने वाली प्रवेश विवरणिका को ऑनलाइन करने के सम्बन्ध में दिनाँक 15–06–2017 को सम्पन्न बैठक का कार्यवृत्त पर विचार

विश्वविद्यालय द्वारा मुद्रित की जाने वाली प्रवेश विवरणिका को ऑनलाइन करने के सम्बन्ध में विचार विमर्श करने हेतु दिनाँक 15–06–2017 को सम्पन्न बैठक का कार्यवृत्त संलग्नक ..... पृष्ठ संख्या ..... पर उपलब्ध है।

अतः प्रकरण विद्या परिषद् के समक्ष विचारार्थ प्रस्तुत है।

विद्या परिषद् ने प्रश्नगत बिन्दु पर विचार किया।

विद्या परिषद् ने विश्वविद्यालय द्वारा मुद्रित की जाने वाली प्रवेश विवरणिका को ऑनलाइन करने के सम्बन्ध में दिनाँक 15–06–2017 को सम्पन्न बैठक का कार्यवृत्त को यथावत स्वीकार किये जाने का निर्णय लिया।

कार्य सूची बिन्दु संख्या 46.08

विश्वविद्यालय द्वारा संचालित प्रमाण पत्र, डिप्लोमा, पी.जी. डिप्लोमा, स्नातक एवं स्नातकोत्तर कार्यक्रमों से प्रोजेक्ट कार्य को समाप्त करने पर विचार

उत्तर प्रदेश राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय का कार्य क्षेत्र सम्पूर्ण उत्तर प्रदेश है। वर्तमान में विश्वविद्यालय द्वारा कुल 96 प्रमाण पत्र, डिप्लोमा, पी.जी. डिप्लोमा, स्नातक एवं स्नातकोत्तर स्तर के संचालित किए जा रहे हैं। लगभग सभी कार्यक्रमों में प्रोजेक्ट कार्य शिक्षार्थियों को अनिवार्य रूप से अपने कार्यक्रम अवधि में क्रेडिट को पूर्ण करने हेतु अनिवार्य है। प्रायः ऐसा देखा जा रहा है कि अध्ययन केन्द्रो द्वारा शिक्षार्थियों को परियोजना कार्य हेतु ठीक ढंग से मार्ग दर्शन प्रदान नहीं किया जा रहा है। कतिपय शिक्षार्थियों का मानसिक एवं आर्थिक शोषण किए जाने की सूचना भी विश्वविद्यालय को अनवरत प्राप्त हो रही है। शिक्षार्थी के कार्यक्रम अवधि व्यतीत हो जाने के पश्चात् भी परियोजना कार्य पूर्ण न होने के कारण उनके परीक्षा परिणाम अपूर्ण रहते हैं जिससे शिक्षार्थी को भी कई प्रकार की समस्याओं का सामना करना पड़ता है। शिक्षार्थियों के हित को दृष्टिगत रखते हुए विभिन्न विद्या शाखाओं द्वारा (शिक्षा विद्या शाखा एवं प्रबन्धन अध्ययन विद्या शाखा के अन्तर्गत एम.बी.ए. कार्यक्रम को छोड़कर) सर्वसम्मति से निर्णय लिया गया कि उन कार्यक्रमों से परियोजना कार्य को समाप्त कर दिया जाय जहाँ ये पूर्व से संचालित हैं। अपितु यह निर्णय लिया गया कि परियोजना कार्य के स्थान पर पाठ्यक्रम में समान क्रेडिट के अन्य सैद्धांतिक प्रश्न पत्र को समाहित कर लिया जाय।

अतः प्रकरण विद्या परिषद् के समक्ष विचारार्थ प्रस्तुत है।

विद्या परिषद् ने प्रश्नगत बिन्दु पर विचार किया।

विद्या परिषद् ने विभिन्न विद्या शाखाओं के विद्या शाखा बोर्ड के प्रस्ताव के दृष्टिगत परियोजना कार्य को दूरस्थ शिक्षा पद्धति से नामांकित शिक्षार्थियों की सुविधा के दृष्टिगत अनिवार्यता को (सभी प्रमाण पत्र, डिप्लोमा, पी.जी. डिप्लोमा, स्नातक एवं स्नातकोत्तर कार्यक्रमों से) प्रोजेक्ट कार्य को समाप्त करते हुए परियोजना कार्य के स्थान पर पाठ्यक्रम में समान क्रेडिट के अन्य सैद्धांतिक प्रश्न पत्र को समाहित किए जाने का निर्णय लिया।

कार्य सूची बिन्दु संख्या 46.09

विश्वविद्यालय के सत्राँत उत्तर पुस्तिकाएं/अधिन्यास पुस्तिकाएं/प्रोजेक्ट कार्य को नष्ट/बिक्री करने पर विचार

ऐसे शिक्षार्थियों जिन्होंने अपने कार्यक्रम से सम्बन्धित परीक्षा पूर्ण कर ली है, की उत्तर पुस्तिकाएं/अधिन्यास पुस्तिकाएं/प्रोजेक्ट नष्ट किए जाने के सम्बन्ध में कार्य परिषद् ने अपनी बैठक दिनाँक 30 मार्च, 2014 के संकल्प संख्या 74.09(ii) में निम्नलिखित निर्णय लिया :–

> कार्य परिषद् ने निर्णय लिया कि विश्वविद्यालय में प्रवेशित शिथार्थियों, जिन्होने अपने कार्यक्रम से सम्बन्धित परीक्षा पूर्ण कर ली है, की उत्तर पुस्तिकाएं/अधिन्यास पुस्तिकाएं/प्रोजेक्ट उनके परीक्षाफल घोषित होने के तीन माह व्यतीत होने के पश्चात् नष्ट कर दिये जाये, परन्तु विवादित प्रकरणों की उत्तर पुस्तिकाएं/अधिन्यास पुस्तिकाएं/प्रोजेक्ट उसके अन्तिम रूप से निस्तारण होने तक सुरक्षित रखे जाय।

विवादित प्रकरणों की संख्या अधिक होने तथा सत्र 2009–10 से 2014–15 तक की उत्तर पुस्तिकाओं आदि का निस्तारण लम्बित होने के कारण पूर्व में लिए गये निर्णय के सापेक्ष कार्यवाही किया जाना सम्भव नहीं हो पा रहा है।

अतः प्रस्ताव है कि विवादित प्रकरणों से सम्बन्धित सत्राँत उत्तर पुस्तिकाएं/अधिन्यास पुस्तिकाएं/प्रोजेक्ट नष्ट/बिक्री कर दी जाय तथा यदि बाद में कोई विवादित प्रकरण संज्ञान में आता है जिससे सम्बन्धित शिक्षार्थी विश्वविद्यालय अभिलेखों के अनुसार परीक्षा में सम्मिलित है, तो अन्य प्रश्न पत्रों के प्राप्तांकों के औसत के आधार पर सम्बन्धित प्रश्न पत्र में अंक प्रदान करते हुए प्रकरण निस्तारित किया जाय।

अतः प्रकरण विद्या परिषद् के समक्ष विचारार्थ प्रस्तुत है।

विद्या परिषद् ने प्रश्नगत बिन्दु पर विचार किया।

विद्या परिषद् ने विश्वविद्यालय की आगामी सत्राँत परीक्षाओं हेतु शिक्षार्थियों के लिए निर्गत दिशा निर्देश में –

> "सत्राँत परीक्षा के परीक्षाफल घोषित होने के 90 दिन के अन्दर परीक्षार्थी छुटे हुए अंकों को विश्वविद्यालय में सम्पर्क कर अंक पत्र में अंकित करा लें अन्यथा की स्थिति में परीक्षाफल घोषित होने के 90 दिनों के पश्चात् सम्बन्धित की उत्तर पुस्तिकाएं/अधिन्यास पुस्तिकाएं/प्रोजेक्ट कार्य को नष्ट/बिक्री कर दिया जायेगा।"

सत्रांत परीक्षा के परीक्षाफल घोषित होने के 90 दिन के पश्चात् उत्तर पुस्तिकाएं/अधिन्यास पुस्तिकाएं/प्रोजेक्ट पुस्तिकाएं/प्रोजेक्ट कार्य को नष्ट/बिक्री किये जाने का निर्णय लिया।

कार्य सूची बिन्दु संख्या 46.10

दिनाँक 03–07–2017 को समाज विज्ञान विद्या शाखा बोर्ड की सम्पन्न बैठक की अनुशंसा पर विचार

दिनाँक 03–07–2017 को समाज विज्ञान विद्या शाखा बोर्ड की सम्पन्न बैठक की अनुशंसा संलग्नक ..... पृष्ठ संख्या ..... पर उपलब्ध है।

अतः प्रकरण विद्या परिषद् के समक्ष विचारार्थ प्रस्तुत है।

विद्या परिषद् ने प्रश्नगत बिन्दु पर विचार किया।

विद्या परिषद् ने दिनाँक 03–07–2017 को समाज विज्ञान विद्या शाखा बोर्ड की सम्पन्न बैठक की अनुशंसा को यथावत स्वीकार किये जाने का निर्णय लिया।

कार्य सूची बिन्दु संख्या 46.11

दिनाँक 22–06–2017, 29–06–2017 एवं 03 –07–2017 को प्रबन्धन अध्ययन विद्या शाखा बोर्ड की सम्पन्न बैठक की अनुशंसा पर विचार

दिनाँक 22–06–2017, 29–06–2017 एवं 03 –07–2017 को प्रबन्धन अध्ययन विद्या शाखा बोर्ड की सम्पन्न बैठक की अनुशंसा संलग्नक ..... पृष्ठ संख्या ..... पर उपलब्ध है।

अतः प्रकरण विद्या परिषद् के समक्ष विचारार्थ प्रस्तुत है।

विद्या परिषद् ने प्रश्नगत बिन्दु पर विचार किया।

विद्या परिषद् ने दिनाँक 22–06–2017, 29–06–2017 को प्रबन्धन अध्ययन विद्या शाखा बोर्ड की सम्पन्न बैठक की अनुशंसा को यथावत स्वीकार किया एवं 03–07–2017 के बिन्दु 01 को यथावत व बिन्दु संख्या 02 से एम.बी.ए. कार्यक्रम के अन्तर्गत प्रोजेक्ट को समाप्त किये जाने का निर्णय लिया।

विद्या परिषद् ने यह भी निर्णय लिया कि स्नातक स्तर के कार्यक्रमों को विश्वविद्यालय अनुदान आयोग, नई दिल्ली से अनुमति के पश्चात् ही प्रारम्भ किया जाय।

कार्य सूची बिन्दु संख्या 46.12

दिनाँक 09–06–2017 एवं 30–06–2017 को मानविकी विद्या शाखा बोर्ड की सम्पन्न बैठक की अनुशंसा पर विचार

दिनाँक 09–06–2017 एवं 30–06–2017 को मानविकी विद्या शाखा बोर्ड की सम्पन्न बैठक की अनुशंसा संलग्नक ..... पृष्ठ संख्या ..... पर उपलब्ध है।

अतः प्रकरण विद्या परिषद् के समक्ष विचारार्थ प्रस्तुत है।

विद्या परिषद् ने प्रश्नगत बिन्दु पर विचार किया।

विद्या परिषद् ने दिनाँक 09–06–2017 एवं 30–06–2017 को मानविकी विद्या शाखा बोर्ड की सम्पन्न बैठक की अनुशंसा को यथावत स्वीकार किये जाने का निर्णय लिया।

कार्य सूची बिन्दु संख्या 46.13

दिनाँक 01–07–2017 को कृषि विज्ञान विद्या शाखा बोर्ड की सम्पन्न बैठक की अनुशंसा पर विचार

दिनाँक 01–07–2017 को कृषि विज्ञान विद्या शाखा बोर्ड की सम्पन्न बैठक की अनुशंसा संलग्नक ..... पृष्ठ संख्या ..... पर उपलब्ध है।

अतः प्रकरण विद्या परिषद् के समक्ष विचारार्थ प्रस्तुत है।

विद्या परिषद् ने प्रश्नगत बिन्दु पर विचार किया।

विद्या परिषद् ने दिनाँक 01–07–2017 को कृषि विज्ञान विद्या शाखा बोर्ड की सम्पन्न बैठक की अनुशंसा को यथावत स्वीकार किये जाने का निर्णय लिया।

कार्य सूची बिन्दु संख्या 46.14

दिनाँक 29–06–2017 को शिक्षा विद्या शाखा बोर्ड की सम्पन्न बैठक की अनुशंसा पर विचार

दिनाँक 29–06–2017 को शिक्षा विद्या शाखा बोर्ड की सम्पन्न बैठक की अनुशंसा संलग्नक ..... पृष्ठ संख्या ..... पर उपलब्ध है।

अतः प्रकरण विद्या परिषद् के समक्ष विचारार्थ प्रस्तुत है।

विद्या परिषद् ने प्रश्नगत बिन्दु पर विचार किया।

विद्या परिषद् ने दिनाँक 29–06–2017 को शिक्षा विद्या शाखा बोर्ड की सम्पन्न बैठक की अनुशंसा को कतिपय संशोधन (एम.ए. शिक्षा शास्त्र कार्यक्रम से परियोजना कार्य को अन्य विद्या शाखाओं के समान शिक्षार्थियों की सुविधा को दृष्टिगत रखते हुए समाप्त किये जाय) के साथ स्वीकार किये जाने का निर्णय लिया।

कार्य सूची बिन्दु संख्या 46.15

दिनाँक 03–07–2017 को विज्ञान विद्या शाखा एवं कम्प्यूटर एवं सूचना विज्ञान विद्या शाखा बोर्ड की सम्पन्न बैठक की अनुशंसा पर विचार

दिनाँक 03–07–2017 को विज्ञान विद्या शाखा एवं कम्प्यूटर एवं सूचना विज्ञान विद्या शाखा बोर्ड की सम्पन्न बैठक की अनुशंसा संलग्नक ..... पृष्ठ संख्या ..... पर उपलब्ध है।

अतः प्रकरण विद्या परिषद् के समक्ष विचारार्थ प्रस्तुत है।

विद्या परिषद् ने प्रश्नगत बिन्दु पर विचार किया।

विद्या परिषद् ने दिनाँक 03–07–2017 को विज्ञान विद्या शाखा एवं कम्प्यूटर एवं सूचना विज्ञान विद्या शाखा बोर्ड की सम्पन्न बैठक की अनुशंसा को यथावत स्वीकार किये जाने का निर्णय लिया।

कार्य सूची बिन्दु संख्या 46.16

दिनाँक 03–07–2017 को स्वास्थ्य विज्ञान विद्या शाखा बोर्ड की सम्पन्न बैठक की अनुशंसा पर विचार

दिनाँक 03–07–2017 को स्वास्थ्य विज्ञान विद्या शाखा बोर्ड की सम्पन्न बैठक की अनुशंसा संलग्नक ..... पृष्ठ संख्या ..... पर उपलब्ध है।

अतः प्रकरण विद्या परिषद् के समक्ष विचारार्थ प्रस्तुत है।

विद्या परिषद् ने प्रश्नगत बिन्दु पर विचार किया।

विद्या परिषद् ने दिनाँक 03–07–2017 को स्वास्थ्य विज्ञान विद्या शाखा बोर्ड की सम्पन्न बैठक की अनुशंसा को यथावत स्वीकार किया एवं मेडिकल टेक्नीशियन एवं फार्मेसी सम्बन्धी कार्यक्रमों को प्रारम्भ करने से पूर्व इन कार्यक्रमों के संचालन की मान्यता देने वाले नियामक संस्थान से मान्यता प्राप्त करने के पश्चात् ही कार्यक्रम संचालित किये जाने का निर्णय लिया।

अध्यक्ष के प्रति धन्यवाद प्रस्ताव पारित करने के उपरान्त बैठक की कार्यवाही समाप्त हुई।

प्रो.(डॉ.) जी.एस. शुक्ल
कुलसचिव

संलग्नक - 02

उ0प्र0 राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, इलाहाबाद

दिनांक: 24/07/2017

कार्यवृत्त

दिनांक 24.07.2017 को सत्र 2017–18 से प्रारम्भ होने वाले 27 नवीन कार्यक्रमों को अध्ययन केन्द्रों को आबंटित करने हेतु दिशा–निर्देश/शर्तों के निर्माण हेतु मा0 कुलपति जी के कक्ष में बैठक सम्पन्न हुई। जिसमें निम्नलिखित सदस्य उपस्थित हुए –

1. डॉ0 ओमजी गुप्ता, निदेशक, प्रबन्धन अध्ययन विद्याशाखा
2. डॉ0 पी.पी. दूबे, निदेशक, कृषि विज्ञान विद्याशाखा
3. डॉ0 आशुतोष गुप्ता, निदेशक, विज्ञान विद्याशाखा
4. डॉ0 गिरिजा शंकर शुक्ला, कुलसचिव
5. डॉ0 जी0के0 द्विवेदी, प्रवेश प्रभारी/परीक्षा नियंत्रक

विभिन्न कार्यक्रमों हेतु निम्नानुसार मानक निर्धारण करने की संस्तुति सदस्यों द्वारा दी गई –

क्र.सं.	कार्यक्रम का नाम	कार्यक्रम आबंटन हेतु शर्तें
1.	पर्यावरण में प्रमाण–पत्र (CES)	सभी अध्ययन केन्द्रों को आबंटित कर दिए जाय।
2.	Certificate in Poultry Farming (CPF)	आवेदन करने की स्थिति में मान्यता प्राप्त सभी अध्ययन केन्द्र जो प्रायोगिक कार्य हेतु MOU प्रस्तुत कर सकें।
3.	Certificate Programme in Bee Keeping (CIB)	आवेदन करने की स्थिति में मान्यता प्राप्त सभी अध्ययन केन्द्र जो प्रायोगिक कार्य हेतु MOU प्रस्तुत कर सकें।
4.	Certificate Programme in Laboratory Techniques (CPLT)	संस्था को स्नातक स्तर में विज्ञान वर्ग के विषयों की संचालन की मान्यता हो।
5.	Certificate Course in Computer Animation (CCCA)	संस्था को कम्प्यूटर विज्ञान में स्नातक स्तर पर कार्यक्रम की मान्यता हो एवं 1. न्यूनतक 15 कम्प्यूटर वाली सुसज्जित प्रयोगशाला। 2. कार्यक्रम से सम्बन्धित साफ्टवेयर।
6.	Certificate Course in Web Designing and Development (CCWD)	संस्था को कम्प्यूटर से सम्बन्धित कार्यक्रमों की मान्यता हो।
7.	Certificate Course in Linux Administration (CCLA)	संस्था को कम्प्यूटर से सम्बन्धित पाठ्यक्रम के संचालन की मान्यता हो।
8.	Certificate in Hospitality and Hotel Management (CHHM)	ऐसे अध्ययन केन्द्र जहाँ पूर्व में Hotel Management सम्बन्धी कार्यक्रम संचालित हो। अथवा ऐसे अध्ययन केन्द्र जिनके पास इस कार्यक्रम से सम्बन्धित प्रायोगिक कार्य की सुविधा हो । अथवा किसी Star Rating प्राप्त Hotel से MOU हस्ताक्षरित किया हो।

29

9.	Certificate Courses in Waste Water Treatment (CWWT)	मान्यता प्राप्त सभी अध्ययन केन्द्रों पर।
10.	Certificate Courses in Natural Resources and Sustainable Development (CNSD)	मान्यता प्राप्त सभी अध्ययन केन्द्रों पर।
11.	Certificate in Printing Technology (CPT)	ऐसे अध्ययन केन्द्र जहाँ विज्ञान वर्ग से स्नातक कार्यक्रम संचालित हो।
12.	Certificate in Organic Forming (COF)	कृषि अथवा जीव विज्ञान वर्गीय विषयों में मान्यता प्राप्त महाविद्यालय, कृषि क्षेत्र के उच्च अध्ययन एवं शोध संस्थान, कृषि विज्ञान केन्द्र, कृषि ज्ञान केन्द्र।
13.	Certificate Programme in Gardening (CPIG)	उपरोक्त करने की स्थिति में मान्यता प्राप्त सभी अध्ययन केन्द्र जो प्रायोगिक कार्य हेतु MOU प्रस्तुत कर सकें।
14.	Post Graduate Diploma in Biostatistics and Population Studies (PGDBSPS)	संस्था को स्नातक स्तर के कार्यक्रम संचालन की मान्यता हो।
15.	Post Graduate Diploma in Dietetics and Therapeutic Nutrition (PGDDTN)	सम्बन्धित विषय/विज्ञान वर्ग, वाणिज्य वर्ग, कृषि विज्ञान वर्ग के विषयों में शासन द्वारा मान्यता प्राप्त स्नातकोत्तर स्तर अथवा न्यूनतम 3 वर्ष तक स्नातक स्तर के कार्यक्रम चलाने का अनुभव। अथवा यू0पी0आर0टी0ओ0यू0 एवं इग्नू अथवा किसी अन्य मुक्त विश्वविद्यालय से डी0सी0डी0एन0, डी0एच0ई0एन0 अथवा अन्य समकक्ष कार्यक्रम चलाने का अनुभव।
16.	Post Graduate Diploma in Food Safety and Nutritional Quality Management (PGDFSQM)	
17.	Post Graduate Diploma in Hospital and Public Health Management (PGDHHM)	सम्बन्धित विषय/विषयों में शासन द्वारा स्नातकोत्तर स्तर की मान्यता अथवा स्वास्थ्य सम्बन्धी विषयों में शासन द्वारा मान्यता प्राप्त कार्यक्रम चलाने का अनुभव साथ ही संस्थान का स्वयं का अथवा सौ बिस्तरों के बहुविशेषज्ञताओं वाले अस्पताल से MOU/अनुबन्ध लिया गया हो।
18.	Post Graduate Diploma in Bio Statistics and Demography (PGDBSD)	संस्था को स्नातक स्तर के कार्यक्रम संचालन की मान्यता हो।
19.	Post Graduate Diploma in Agriculture Extension (PGDAE)	मान्यता प्राप्त कृषि महाविद्यालय, कृषि उच्च अध्ययन एवं शोध संस्थान, कृषि विज्ञान केन्द्र, कृषि ज्ञान केन्द्र।
20.	Post Graduate Diploma in Yoga (PGDYO)	ऐसे अध्ययन केन्द्र जहाँ योग में प्रमाण–पत्र संचालन की मान्यता हो। अथवा ऐसे संस्थान जहाँ Physical Education कार्यक्रम की मान्यता हो। अथवा ऐसे संस्थान/अध्ययन केन्द्र जहाँ योग पढ़ाने वाले अर्ह प्राध्यापकों की उपलब्धता हो (संस्था से शपथ–पत्र के माध्यम से यह सूचना)।
21.	Diploma in Yoga (DYS)	
22.	Diploma in Web Technology (DWT)	संस्था को कम्प्यूटर से सम्बन्धित कार्यक्रमों की मान्यता हो।

5.	Diploma in Hospitality and Hotel Management (DHHM)	ऐसे अध्ययन केन्द्र जहाँ पूर्व में Hotel Management सम्बन्धी कार्यक्रम संचालित हो। अथवा ऐसे अध्ययन केन्द्र जिनके पास इस कार्यक्रम से सम्बन्धित प्रायोगिक कार्य की सुविधा हो। अथवा किसी Star Rating प्राप्त Hotel से MOU हस्ताक्षरित किया हो।
24.	Diploma in Watershed Management (DWM)	कृषि अथवा जीव विज्ञान वर्गीय विषयों में मान्यता प्राप्त महाविद्यालय, कृषि क्षेत्र के उच्च अध्ययन एवं शोध संस्थान, कृषि विज्ञान केन्द्र, कृषि ज्ञान केन्द्र।
25.	Diploma in Dairy Technology (DDT)	
26.	Diploma in Value Added Products from Fruits and Vegetables (DVAPFV)	
27.	Post Graduate Diploma in Spiritual Tourism (PGDST)	ऐसे संस्था जहाँ स्नातक एवं परास्नातक स्तर पर दर्शनशास्त्र, इतिहास, पर्यटन, संस्कृत एवं योग विषय की मान्यता प्राप्त हो।

डॉ0 (ओमजी गुप्ता)

डॉ0 (पी.पी. दूबे)

डॉ0 (आशुतोष गुप्ता)

डॉ0 (गिरिजा शंकर शुक्ला)

डॉ0 (जी0के0 द्विवेदी)

संलग्नक- 03

उ0प्र0 राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, इलाहाबाद

दिनांक : 19/08/2017

मानविकी विद्याशाखा के स्कूल बोर्ड की बैठक की कार्यवृत्त

आज दिनांक 19.08.2017 को अपराह्न 01:00 बजे मानविकी विद्याशाखा कक्ष में विद्याशाखा के स्कूल बोर्ड की बैठक सम्पन्न हुई, जिसमें निम्नलिखित सदस्य उपस्थित हुए–

1. डॉ. आर.पी.एस.यादव — अध्यक्ष
2. डॉ. विनोद कुमार गुप्त — सदस्य
3. डॉ. रुचि बाजपेई — सदस्य
4. डॉ. साधना श्रीवास्तव — सदस्य
5. डॉ. सतीश चन्द्र जैसल — सदस्य
6. डॉ. स्मिता अग्रवाल — विशेष आमंत्रित सदस्य
7. सुश्री मारिषा — विशेष आमंत्रित सदस्य

बैठक के प्रारम्भ में निदेशक महोदय ने सभी सदस्यों का स्वागत किया । तत्पश्चात् पत्रकारिता एवं जनसंचार विषय के विशेषज्ञों द्वारा सस्तुत किये गये सर्टिफिकेट इन ई–जर्नलिज्म, डिप्लोमा इन ई–जर्नलिज्म पर सम्यक विचार विमर्श किया गया।

इसके अतिरिक्त एडवांस डिप्लोमा इन ई–जर्नलिज्म तथा स्नातक इन ई–जर्नलिज्म कार्यक्रमों को भविष्य में प्रारम्भ करने की योजना पर विचार किया गया।

विद्याशाखा बोर्ड ने प्रारम्भिक स्तर पर विषय–विशेषज्ञों द्वारा प्रस्तुत सर्टिफिकेट इन ई–जर्नलिज्म, डिप्लोमा इन ई–जर्नलिज्म कार्यक्रम चलाये जाने की संस्तुति दी तथा बिन्दुवार निम्न संस्तुतियाँ की–

1. सर्टिफिकेट ई– जर्नलिज्म अविध (6 माह) का कार्यक्रम चलाये जाने की संस्तुति की जिसका कार्यक्रम एवं प्रारूप संलग्न है। (संलग्नक –1)
2. सेमेस्टर पद्धति पर आधारित एक-वर्षीय डिप्लोमा इन ई–जर्नलिज्म कार्यक्रम चलाये जाने के संदर्भ में विशेषज्ञों ने अपनी संस्तुति दी। जिसका प्रारूप एवं अन्य विवरण दाहिनी तरफ संलग्न है। (संलग्नक –2)

   आगे सार्टिफिकेट ई–जर्नलिज्म कार्यक्रम उत्तीर्ण उ.प्र.राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय के शिक्षार्थी डिप्लोमा कार्यक्रम में लेटरल इन्ट्री के द्वारा द्वितीय सेमेस्टर में सीधे प्रवेश ले सकेंगे। इसी प्रकार डिप्लोमा उत्तीर्ण शिक्षार्थी ई–जर्नलिज्म में एडवांस डिप्लोमा तथा स्नातक ई– जर्नलिज्म में भी लेटरल इन्ट्री के द्वारा प्रवेश का प्रावधान करने की योजना पर विचार हुआ।

अंत में निदेशक महोदय द्वारा धन्यवाद के साथ बैठक सम्पन्न हुई।

19.8.17
(डॉ. आर.पी.एस.यादव)

(डॉ. विनोद कुमार गुप्त)

(डॉ. रुचि बाजपेई)

Sadhana
(डॉ. साधना श्रीवास्तव)

(डॉ. सतीश चन्द्र जैसल)

(डॉ. स्मिता अग्रवाल)

19.8.17
(सुश्री मारिषा)

उ0प्र0 राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, इलाहाबाद

दिनांक : 19/08/2017

पत्रकारिता एवं जनसंचार विषय विशेषज्ञों के बैठक की कार्यवृत्त

आज दिनांक 19.08.2017 को पूर्वाह्न 11.00 बजे पत्रकारिता एवं जनसंचार विषय विशेषज्ञों की बैठक निदेशक, मानविकी विद्याशाखा कक्ष में आहूत की गई, जिसमें निम्नलिखित सदस्य उपस्थित हुए–

1. डॉ. आर.पी.एस.यादव — निदेशक, मानविकी विद्याशाखा
2. डॉ. विनोद कुमार गुप्त — उपनिदेशक, मानविकी विद्याशाखा
3. डॉ. साधना श्रीवास्तव — असि. प्रोफेसर, मानविकी विद्याशाखा
4. डॉ. सतीश चन्द्र जैसल — असि. प्रोफेसर, मानविकी विद्याशाखा
5. डॉ. समजी मिश्र — शैक्षणिक परामर्शदाता

बैठक के प्रारम्भ में निदेशक महोदय द्वारा सभी सदस्यों का स्वागत किया गया तदुपरान्त पत्रकारिता एवं जनसंचार जगत की वर्तमान नवीन चुनौतियों एवं आवश्यकताओं को दृष्टिगत रखते हुए यह देखा जा रहा है कि वेब जर्नलिज्म या ई– जर्नलिज्म की भूमिका काफी तेजी से बढ़ रही है। अतः विशेषज्ञों द्वारा ई–जर्नलिज्म से संबंधित सर्टिफिकेट, डिप्लोमा एवं एडवांस डिप्लोमा तथा स्नातक कार्यक्रमों को चलाये जाने की आवश्यकता व्यक्त की गयी । विषय के विभिन्न विद्वानों द्वारा संस्तुत उक्त कार्यक्रमों पर सम्यक विचारोपरान्त बिन्दुवार निम्न संस्तुतियां दी गयी :–

1. सर्टिफिकेट ई– जर्नलिज्म अविध (6 माह) का कार्यक्रम चलाये जाने की संस्तुति की जिसका कार्यक्रम एवं प्रारूप संलग्न है। (संलग्नक –1)
2. सेमेस्टर पद्धति पर आधारित एक वर्षीय डिप्लोमा इन ई–जर्नलिज्म कार्यक्रम चलाये जाने के संदर्भ में विशेषज्ञों ने अपनी संस्तुति दी। जिसका प्रारूप एवं अन्य विवरण दाहिनी तरफ संलग्न है। (संलग्नक –2)
   आगे सर्टिफिकेट ई–जर्नलिज्म कार्यक्रम उत्तीर्ण उ.प्र.राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय के शिक्षार्थी ड़िप्लोमा कार्यक्रम में लेटरल इन्ट्री के द्वारा द्वितीय सेमेस्टर में सीधे प्रवेश ले सकेंगे। इसी प्रकार डिप्लोमा उत्तीर्ण शिक्षार्थी ई–जर्नलिज्म में एडवांस डिप्लोमा तथा स्नातक ई– जर्नलिज्म में भी लेटरल इन्ट्री के द्वारा प्रवेश का प्रावधान करने की योजना पर विचार हुआ।

अंत में निदेशक महोदय के धन्यवाद के साथ बैठक सम्पन्न हुई।

19.8.17
(डॉ. आर.पी.एस.यादव)

(डॉ. विनोद कुमार गुप्त)

(डॉ. साधना श्रीवास्तव)

(डॉ. सतीश चन्द्र जैसल)

19.8.17
(डॉ. रामजी मिश्र)

Certificate in E-Journalism

कार्यक्रम कोड / Programme Code :

कार्यक्रम माध्यम / Medium of Instruction : Hindi / हिन्दी

प्रवेश हेतु न्यूनतम अर्हता / Minimum Qualification for Admission : 10+2

कार्यक्रम अवधि (वर्षो में) Programme Duration (in Yrs.) : न्यूनतम Minimum : ½ अधिकतम Maximum :

कार्यक्रम शुल्क / Programme Fee : 3000 /-

अधिन्यास कार्य / Assignment Work : आवश्यक नहीं / Not Essential

पाठ्यक्रम कोड एवं विवरण

Paper No.	Course Code	Title of the Course	Credits
	CEJ-01	जनसंचार एवं पत्रकारिता : स्वरूप एवं सिद्धान्त Mass Communication & Journalism : Nature and Principle	8
	CEJ-02	ई–पत्रकारिता की मूलभूत अवधारणा Basic Concept of E-Journalism	8
	CEJ-03	ई–पत्रकारिता के लिए समाचार News For E- Journalism	4
Total Credits			20

Diploma in E-Journalism

कार्यक्रम कोड / Programme Code	:		कार्यक्रम अवधि (वर्षों में)	:	न्यूनतम : 1	अधिकतम :	
कार्यक्रम माध्यम / Medium of Instruction	:	Hindi / हिन्दी	Programme Duration (in Yrs.)	:	Minimum : 1	Maximum:	
प्रवेश हेतु न्यूनतम अर्हता / Minimum Qualification for Admission	:	10+2	कार्यक्रम शुल्क / Programme Fee	:	5000		
			अधिन्यास कार्य / Assignment Work	:	आवश्यक नहीं / Not Essential		

Ist Semester	Paper No.	Course Code	Title of the Course	Credits
		DEJ-01	जनसंचार एवं पत्रकारिता : स्वरूप एवं सिद्धान्त Mass Communication & Journalism : Nature and Principle	8
		DEJ-02	ई–पत्रकारिता की मूलभूत अवधारणा Basic Concept of E-Journalism	8
		DEJ-03	ई–पत्रकारिता के लिए समाचार News For E- Journalism	4
Credits of Ist Semester				20
II nd Semester		DEJ-04	Microsoft office and Internet	8
		DEJ-05	ई–पत्रकारिता टेक्नोलॉजी E- Journalism Technology	8
		DEJ-06	ई–पत्रकारिता और समाज E- Journalism & Society	4
Credits of IInd Semester				20
Total Credits				40

19.8.17

19.8.17

Sadhna 19.8.17

19/8/17

19.8.17

19/8/17

संलग्नक-04

उ0प्र0 राजर्षि टण्डन मुक्त विष्वविद्यालय

शान्तिपुरम (सेक्टर–एफ), फाफामऊ, इलाहाबाद

कार्यवृत्त

आज दिनांक 05/08/2017 को पूर्वाह्न 12:00 बजे विज्ञान विद्याशाखा एवं कम्प्यूटर एवं सूचना विज्ञान विद्याशाखा के अन्तर्गत संचालित वैकल्पिक आधारित प्रश्नपत्र "ठोस अपशिष्ट का प्रबन्धन" एवं जुलाई 2017 से संचालित नवीन कार्यक्रम के पाठ्य पुस्तकों के निर्धारण हेतु स्कूल बोर्ड की बैठक शैक्षणिक परिसर में निदेशक विज्ञान विद्याशाखा के कक्ष में आयोजित की गयी। बैठक में निम्न सदस्य उपस्थित हुए–

1. डॉ. आशुतोष गुप्ता, निदेशक, विज्ञान विद्याशाखा, (अध्यक्ष) यू0पी0आर0टी0ओ0यू0, इलाहाबाद।
2. डॉ. श्रुति, वरिष्ठ असिस्टेण्ट प्रोफेसर (सांख्यकी), विज्ञान विद्याशाखा, (सदस्य), यू0पी0आर0टी0ओ0यू0, इलाहाबाद।
3. सुश्री मारिषा, असिस्टेण्ट प्रोफेसर (कम्प्यूटर विज्ञान), विज्ञान विद्याशाखा, (सदस्य), यू0पी0आर0टी0ओ0यू0, इलाहाबाद।
4. डॉ. दिनेश कुमार गुप्ता, शैक्षणिक परामर्शदाता (रसायन विज्ञान), विज्ञान विद्याशाखा, (आमंत्रित सदस्य), यू0पी0आर0टी0ओ0यू0, इलाहाबाद।

सर्वप्रथम निदेशक, विज्ञान विद्याशाखा ने बैठक में उपस्थित सभी सदस्यों का स्वागत किया एवं बैठक के उद्देश्य की चर्चा की। बैठक में निम्न बिन्दुओं पर सर्वसम्मति से संस्तुतिया की गयी।

1. विज्ञान विद्याशाखा के अन्तर्गत स्नातक स्तर पर संचालित वैकल्पिक आधारित प्रश्नपत्र "ठोस अपशिष्ट का प्रबन्धन (Solid Waste Management). के लिए केन्द्रीय प्रदुषण बोर्ड (पर्यावरण एवं वन मंत्रालय) अप्रैल 2010 द्वारा प्रकाशित हिन्दी माध्यम में पाठ्य सामग्री "ठोस अपशिष्ट का प्रबंधन" को सत्र जुलाई 2017 से पाठ्य सामग्री के रुप में प्रयोग करने की संस्तुति की।
2. विज्ञान विद्याशाखाएवं कम्प्यूटर एवं सूचना विज्ञान विद्याशाखा के अन्तर्गत जुलाई 2017 से प्रारम्भ होने वाले निम्नलिखित नवीन कार्यक्रमों में पाठ्य सामग्री के रुप में प्रयोगार्थ पुस्तकों एवं IGNOU की पाठ्य सामग्री की संस्तुत सूची संलग्न है।

    a) Diploma In Web Technology (DWT)
    b) Certificate Course in Linax Admistration (CCLA)
    c) Certificate Course in Web Desiging and Development (CCWD)
    d) Certificates Courses In Waste Water Treatment (CWWT)
    e) Certificate Course in Computer Animation (CCCA)
    f) Certificate In Environmental Studies (CES)
    g) Certificate Programme in Laboratory Technique(CPLT)
    h) Certificates Course In Natural Resources And Sustainable Development (CNSD)
    i) PG Diploma in Bio-Statistics and Demography(PGDBSD)
    j) PG Diploma in Bio-Statistics and Population Studies (PGDBSPS)

अन्त में सदस्यों के प्रति धन्यवाद ज्ञापन के साथ बैठक सम्पन्न हुई।

5/8/17		5/8/17	
डॉ. आशुतोष गुप्ता	डॉ. श्रुति	सुश्री मारिषा	डॉ. दिनेश कुमार गुप्ता

Recommended Books/Self Learning Material for New Programmes started from July 2017 session

1. DIPLOMA IN WEB TECHNOLOGY [DWT]

Course Code	Title of Course	Recommended Book SLM	Price
DWT-1	Fundamental of Information Technology & Operating System	Computer Fundamentals-P.K.Sinha-BPB Publication	Rs. 290
DWT -2	Internet and Web Technology	Data and Computer Communications, William Stallings, Pearson AND HTML,DHTML, JAVA SCRIPT AND CGI- Evan Bayross-BPB Publications	Rs 700 Rs. 390
DWT -3	ASP.Net	ASP.NET 4.0 Black Book, Kogent Learning Solutions Inc., Dreamtech Press	Rs. 629
DWT -6	Introduction to Java Script and Multimedia tools	{ Exploring Adobe Flash CS6, Prof. Sham Tickoo, Supriya Mishra , Dreamtech Press, ISBN-10: 8131761991, ISBN-13: 978-8131761991 OR Adobe Flash Professional CS5 Classroom in a Book, by Adobe } AND JavaScript: The Complete Reference, 2nd edition (Osborne Complete Reference Series), Thomas A. Powell, McGraw Hill Education AND Introduction To Multimedia Systems, Bhatnager Gaurav, Publisher: cbspd AND {Photoshop CS6 in Simple Steps, Kogent Learning Solutions Inc. Dreamtech Press OR Straight to the Point: Photoshop CS5, Dinesh Maidasani, Laxmi Publication}	Rs 349 Rs. 427 Rs 650 Rs.195 Rs. 299 Rs 150
DWT -7	PHP and MySQL	Beginning PHP and MySQL , W Jason Gilmore, ISBN 978-1-4302-3114-, Apress OR Beginning PHP, Apache, MySQL Web Development, Elizabeth Naramore, Jason Gerner, Yann Le Scouarnec, Jeremy Stolz, Michael K.Glass Timothy Boronczyk, Wrox publisher	Rs 700 Rs 536

2. CERTIFICATE COURSE IN LINUX ADMINISTRATION [CCLA]

Course Code	Course Name	Book SLM	Price
CCLI-01	Linux Internals	Linux Bible, 9th Edition, Christopher Negus, John Wiley & Sons	Rs. 1500
CCLI-02	Shell Programming	UNIX Shell Programming, Yashwant kanetkar, Bpb publication	Rs. 250

3. CERTIFICATE COURSE IN WEB DESIGNING AND DEVELOPMENT [CCWD]

Course Code	Title of the Course	Recommended SLM	Price
CCWD-01	Basics of HTML and CSS	HTML, XHTML, and CSS Bible 5ed. Steven M. Schafer, Wiley India	Rs. 498
CCWD-02	Introduction to JSP	JSP 2.0: The Complete Reference, Second Edition by Philip Hanna, Osborne/McGraw-Hill	Rs. 475
CCWD-03	Introduction to PHP	Beginning PHP and MySQL , W Jason Gilmore, ISBN 978-1-4302-3114-, Apress	Rs 700
CCWD-04	Introduction to DBMS and MySQL	An Introduction to Database Systems, C. Date, Pearson	Rs. 500

4. CERTIFICATE COURSE IN COMPUTER ANIMATION (CCCA)

Course Code	Title of the Course	Recommended SLM	Price
CCCA-01	Fundamentals of animation and basic sketching	The Everything Drawing Book: From Basic Shapes To People and Animals by Helen south. Adams Media	Rs 700
CCCA-02	2D Digital Animation: Flash	Exploring Adobe Flash CS6, Prof. Sham Tickoo, Supriya Mishra , Dreamtech Press OR Straight to the Point: Flash CS5 Dinesh Maidasani, Laxmi Publications	Rs. 349 Rs 150
CCCA-03	Graphic Design(Adobe Illustrator, Corel DRAW and Adobe Photoshop)	1. Illustrator CS6 in Simple Steps, Kogent Learning Solutions Inc. Dreamtech Press AND CorelDRAW X6 in Simple Steps, Kogent Learning Solutions Inc, Dreamtech Press AND Photoshop CS6 in Simple Steps Kogent Learning Solutions Inc, Dreamtech Press OR 2. Straight to the Point: Illustrator CS5, Dinesh Maidasani, Laxmi Publications AND Straight to the Point: Photoshop CS5 Dinesh Maidasani, Laxmi Publications AND Straight to the Point: CorelDRAW 12 Dinesh Maidasani, Laxmi Publications	Rs 299 Rs. 299 Rs. 299 Rs. 299 Rs 150 Rs 175

CERTIFICATES COURSES IN WASTE WATER TREATMENT [CWWT]

Course Code	Title of the Course	Recommended ~~Book~~ SLM	Price
CWWT-01	Water and Waste water pollution	Water Pollution, B K Sharma, Goel Publishing House, meerut, Krishna Prakashan Media AND A Handbook of Effluent Treatment Plants, Mehjabin Shaikh, EM International	Rs 195
CWWT-02	Water and Waste water Techniques		
CWWT-03	Theory Paper on ETP or STP		Rs 500

6. CERTIFICATE IN ENVIRONMENTAL STUDIES [CES]

Course Code	Title of the Course	Recommended ~~Book~~ SLM	Price
CES-01	Ecology, Environment and Tourism	IGNOU SLM (TS-5)	
CES-02	Human Environment	IGNOU SLM (AHE-01)	
CES-03	Solid Waste Management	1. Solid waste management, Sashikumar K. Gopi Krishna, Sanoop. PHI Learngin Delhi, 2. Solid waste management, Jagbir Singh, A.L Ramanathan, I K International Publishing House PHI Learngin Delhi 3. Solid waste management, An Indian perspective, M S Bhatt Asheref Illiyan. Synergy book india **(Any one book from above)**	Rs 275 Rs. 265 Rs 575

7. CERTIFICATE PROGRAMME IN LABORATORY TECHNIQUE [CPLT]

Course Code	Course Name	Recommended ~~Book~~ SLM
CP LT-01	Good Laboratory Practices	IGNOU SLM (LT1)
CPLT-02	Laboratory Techniques in Biology	IGNOU SLM (LT2)
CPLT-03	Laboratory Techniques in Chemistry	IGNOU SLM (LT3)
CPLT-04	Laboratory Techniques in Physics	IGNOU SLM (LT4)
Note: All the study material is available at site: http://www.egyankosh.ac.in/handle/123456789/3249		

8. CERTIFICATES COURCES IN NATURAL RESOURCES AND SUSTAINABLE DEVELOPMENT (CNSD)

Course Code	Title of the Course	Recommended Books SLM	Price
CNSD-01	Perspective on Natural Resources	Natural Resources and Sustainable Development, Prof. B. K. Panda, Dr. Sukanta Sarkar, 2015, ISBN: 9789351281252, Kalpaz Publications	Rs 990
CNSD-02	Sustainable Development		
CNSD-03	Policies Related to Environmental Sustainability	Sustainability: A Comprehensive Foundation Tom Theis and Jonathan Tomkin Available at link (http://cnx.org/exports/1741effd-9eda-4b2b-a91e-003e6f587263%4043.5.pdf/sustainability-a-comprehensive-foundation-43.5.pdf) OR Better Policies for Sustainable Development 2016 A NEW FRAMEWORK FOR POLICY COHERENCE	Under CC BY license in OER Rs.

9. PG Diploma in Bio-Statistics and Demography (PGDBSD)

Course Code	Title of the Course	Books SLM
PGDBSD-01	Concepts of Demography	1. R Ramakumar, Technical Demography, New Age Publication / John Wiley & Sons Or 2. Pathak, K.B. and F. Ram, Techniques of Demographic Analysis, Himalaya Publishing House, Mumbai.
PGDBSD-02	Demographic Models	1. Pathak, K.B. and F. Ram, Techniques of Demographic Analysis, Himalaya Publishing House, Mumbai.
PGDBSD-03	Research Methodology	1. Kumar R.: Research Methodology: Step by Step Giude for Bigneers. SAGE Publication, New Delhi. Or 2. Kothari C. R..: Research Methodology: Methods and Techniques. New Age International Publishers, New Delhi
PGDBSD-04	Bio-Statistics	1. Pagano, M. and Gauvreau, K.: Principles of BioStatistics, CENGAGE Publications, New Delhi. Or 2. Prasad, S: Elements of Biostatistics, Rastogi Publication, New Delhi

10. PG Diploma in Bio-Statistics and Population Studies (PGDBSPS)

Course Code	Title of the Course	Books SLM
PGDBSPS-01	Population Studies: Concepts, Issues and Developments	1. Asha A. Bhende and Tara Kanitkar: Principles of Population Studies, Himalaya Publishing House, Mumbai. Or 2. Bhende, A.: Principles of Population Studies, Himalaya Publishing House, Mumbai. Or 3. Bogue, D.: Principles of Demography, John Wiley and Sons, New Delhi
PGDBSPS-02	Concepts of Demography	1. R Ramakumar, Technical Demography, New Age Publication / John Wiley & Sons Or 2. Pathak, K.B. and F. Ram, Techniques of Demographic Analysis, Himalaya Publishing House, Mumbai.
PGDBSPS-03	Research Methodology	1. Kumar R.: Research Methodology: Step by Step Guide for Bingers, SAGE Publication, New Delhi. Or 2. Kothari C. R..: Research Methodology: Methods and Techniques, New Age International Publishers, New Delhi
PGDBSPS-04	Bio-Statistics	1. Pagano, M. and Gauvreau, K.: Principles of BioStatistics, CENGAGE Publications, New Delhi. Or 2. Prasad, S: Elements of Biostatistics, Rastogi Publication, New Delhi

संलग्नक-05

विद्याशाखा (स्कूल बोर्ड) की बैठक

उत्तर प्रदेश शासन के पत्र सं. 652/सत्तर-1-2017-16 (11)/2014 दिनांक 01 अगस्त, 2017 के क्रम में कुलसचिव, उ.प्र.राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय के पत्र सं. ओ.यू./771/2017 दिनांक 11-08-2017 के अनुक्रम में प्रबन्धन अध्ययन विद्याशाखा के स्कूल बोर्ड की बैठक दिनांक 18-08-2017 को निदेशक, प्रबन्धन अध्ययन के कक्ष में सम्पन्न हुई। बैठक में सम्यक विचारोपरान्त निम्नलिखित संस्तुतियां की गईः

उपस्थिति :-

1. डॉ. ओमजी गुप्ता, निदेशक, प्रबन्धन अध्ययन विद्याशाखा – संयोजक
2. डॉ. ज्ञान प्रकाश यादव, सहायक आचार्य, प्रबन्धन अध्ययन विद्याशाखा – सदस्य
3. डॉ. देवेश रंजन त्रिपाठी, सहायक आचार्य, प्रबन्धन अध्ययन विद्याशाखा – सदस्य
4. डॉ. गौरव संकल्प, परामर्शदाता, प्रबन्धन अध्ययन विद्याशाखा –विशेष आ. सदस्य

कार्यवृत्त

संयोजक महोदय द्वारा बैठक के प्रारम्भ में सभी सदस्यों का स्वागत किया गया।

1. बी.काम पाठ्यक्रम के अन्तर्गत विषय केन्द्रित वैकल्पिक पाठ्यक्रम (Discipline Centric Elective Course) में पूर्व के 04 प्रश्नपत्रों के अतिरिक्त एक प्रश्नपत्र जी.एस.टी. (GST) को अगले शैक्षणिक सत्र में सम्मिलित किया जाय।

2. बी.बी.ए. पाठ्यक्रम के अन्तर्गत छठे सेमेस्टर के विषय केन्द्रित वैकल्पिक पाठ्यक्रम (Discipline Centric Elective Course) में पूर्व के 02 प्रश्नपत्रों के अतिरिक्त एक प्रश्नपत्र जी.एस.टी. (GST) को अगले शैक्षणिक सत्र में सम्मिलित किया जाय।

बैठक के उपरान्त सभी सदस्यों ने संयोजक महोदय के प्रति धन्यवाद ज्ञापित किया।

18-8-17

डॉ. (ओमजी गुप्ता) डॉ. (ज्ञान प्रकाश यादव) डॉ. (देवेश रंजन त्रिपाठी) डॉ. (गौरव संकल्प)

कार्यवृत्त

संलग्नक - 06

उ.प्र. राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, इलाहाबाद

दिनांक—22/08/2017

अवगत कराना है कि आज दिनांक 22/08/2017 पूर्वाह्न : 11 : 00 बजे प्रभारी समाज विज्ञान विद्याशाखा की अध्यक्षता में स्कूल बोर्ड की बैठक सम्पन्न हुई

बैठक में निम्नलिखित सदस्य सम्मलित हुए।

1 प्रो0 सुधाशु त्रिपाठी, प्रभारी समाजविज्ञान विद्याशाखा (अध्यक्ष)

2 डॉ0 इति तिवारी, एसोसिएट प्रोफेसर, सदस्य

3 डॉ0 संतोषा कुमार एसोसिएट प्रोफेसर, सदस्य

4 श्री सुनील कुमार, असि0 प्रोफेसर, सदस्य

5 डॉ0 दीप शिखा श्रीवास्तव, सदस्य (विशेष आमंत्रित सदस्य)

6 श्री रमेश चन्द्र यादव, सदस्य (विशेष आमंत्रित सदस्य)

7 डॉ0 अल्का वर्मा, सदस्य (विशेष आमंत्रित सदस्य)

जिसमें विचार विमर्श के उपरान्त स्नाकोत्तर स्तर पर प्राचीन इतिहास (MAAH) विषय प्रारम्भ करने हेतु प्रस्तुत पाठ्यक्रम का अवलोकन किया गया एवं इसके संचालन हेतु सर्वसम्मति से सहमति व्यक्त करते हुए इसके अनुमोदन हेतु विद्या परिषद् एवं कार्य परिषद में प्रेषित किये जाने की संस्तुति की गयी।

22/08/17

22-08-17.

Iti Tiwari
22-8-2017

22.08.17

22/08/17

22/08/17

कुलसचिव

कृपया अग्रिम कार्यवाही सम्पन्न कराने का कष्ट करें।

22/08/17

(डा0) सुधांशु त्रिपाठी
प्रभारी निदेशक

43

U. P. RAJARSHI TANDON OPEN UNIVERSITY, ALLAHABAD

M. A. - I (MASTER OF ARTS)

SYLLABUS

SUBJECT: ANCIENT HISTORY (MAAH)

(विषय: प्राचीन इतिहास)

SCHOOL – SCHOOL OF SOCIAL SCIENCE

MAAH- 01 POLITICAL HISTORY OF INDIA (600 B.C. TO 550 A. D.)

Unit 1 Political history from the sixth of fourth century B.C.

(i) Foundation of the Magadha Empire
(ii) Invasion of Alexander

Unit 2 The Maurya Empire

(i) Chandragupta
(ii) The Maurya Empire
(iii) Asoka the great
(iv) Downfall of the Empire

Unit 3 From the end of the first of the beginning of the second Magadha Empire (Second century B. C. to fourth century A.D.)

(i) Foreign Invasions
(ii) The Western Satraps
(iii) The Indigenous States in North India
(iv) Kalinga
(v) The Andhras
(vi) South India

Unit 4 Political Theory and Administrative Organisation

(i) Political Theory
(ii) Administrative Organisation

Unit 5 The Gupta Empire

(i) The Foundation of the Empire
(ii) Kumargupta and Skandagupta
(iii) The Successors of Skansagupta
(iv) The Huns and Yasodharman
(v) The Fall of the Gupta Empire

Unit 6 History of South India (600 BC to 550 AD)

MAAH- 02 POLITICAL HISTORY OF INDIA (550 A.D. TO 950 A. D.)

Unit 1 North India from (550 A.D. to 650 A.D.)

(i) Up to the accession of Harshavardhana
(ii) Harshavardhana

Unit 2 North India from (650 A.D. to 800 A.D.)

(i) Yasovarman
(ii) Kashmir
(iii) The Gujarat
(iv) The Arab conquest of Sindh
(v) The Rise of the Palas

Unit 3 The Deccan up to the rise of the Rashtrakutas

(i) The Vakatakas
  (a) Early History
  (b) The Main Branch
  (c) The Vatsagulma Branch
(ii) The Chalukyas
(iii) The Rashtrakutas

Unit 4 The Struggle for Supremacy- The Rashtrakutas, the Palas and the Gurjara- Pratiharas

(i) The triparitite struggle
(ii) The Pala Empire
(iii) The Pratihara Empire

Unit 5 Downfall of the Pratihara Empire

(i) The Decline of the pratihara Empire
(ii) The Chandellas
(iii) The Kalachuris
(iv) The Paramaras
(v) The Chaulukyas
(vi) The Chahamanas
(vii) The Guhilas
(viii) The Shahis
(ix) The Minor States

Unit 6 Invasion of Sultan Mahmud

Unit 7 Northern Indian in the 11th and 12th centuries A.D.

(i) General Review
(ii) Kanauj and the Gahadavalas

(iii) Bengal under the Palas and Senas
(iv) Kamarupa
(v) The Kalachuris
(vi) The Paramaras
(vii) The Chandellas
(viii) The Chaulukyas
(ix) The Chahamanas
  (a) The Main Branch of Sakambhari
  (b) The Minor Branches

(x) The Guhilas of Mewar

MAAH -03 PRE AND PROTO-HISTORY OF INDIA

Unit 1 (i) Pre-history in relation to other natural sciences.
(ii) The problem of periodization in prehistory.

Unit 2 Lower Palaeolithic (Chopper Chopping and Hand-axe Cleaver)

Unit 3 (i) Middle Palaeolithic (Nevasa, Maheshwar, Belan valley)
(iii) Middle Palaeolithic (Renigunta, Yrragondapallam, Belan valley)

Unit 4 Mesolithic, (Birbhanpur, Morhana Pahar, Sarai Nahar Rai, Langhnaj, Bagor, Tinnevalley, Bombay, Karnataka, Tamil Nadu)

Unit 5 Neolithic Cultures, Central (Koldihava, Mahagara), Northern (Burzahom), Eestern (Chirand, Daojali Hading, Kuchai), Southern (Brahmagiri, Sanganakallu, Uttnur, Piklihal, T Narishpur, Tekkalkota, Hallur, Kuggal Paiyampalli)

Unit 6 Pre-Harappan cultures of Baluchistan, Sing and Rajasthan (Pre-Harappan at Harappa, Kot Diji, Kulli, Nal, Amri, Quetta, Jhob, Kalibanga)

Unit 7 Harappan Civilization (Origin, Extent, Relationship with other civilization, Town-Planning, Economic, Social and religious life. Writing, Art and crafts including pottery chronology, Authorship)

Unit 8 Post Harappan chalcolithic cultures: Kayatha, Lothal Ahar, Malwa, Jorwe, Cementary 'H' , Jhukar, Chirand, Pandurajarahibi,Prahladpur, OCP and Copper Hards, Black and Red Ware, PGW.

MAAH -04 EARLY SOCIAL AND ECONOMIC IDEAS AND INSTITUTIONS

Unit 1 Sources of social history sources of economic history. Social and econom development from 2500 to 600 B.C.

Unit 2
(i) Definition of Dharma, Sources of Dharma and their relative importance.
(ii) Varna, Nature and origin, duties, privileges and disabilities of various Varnas, Varnasamkara, internal division of the Varnas, Gotra and Pravara, Charana and Sakha.
(iii) Jati: Nature and origin, Jatyupakarsha and Jatypakarsha

Unit 3
(i) Ashramas: Nature, Evolution, Psychomoral basis of Ashramas, Nivritti and Pravitti, Ashrama – Vikalpa and Ashrama Samuchchaya, Importance of Sadtnyasa and Grihastha Ashramas.
(ii) Samskaras: Concept, significance and rituals of Upanayana, Vivaha and Antyeshti Sanskaras

Unit 4
(i) Marriage, Concept, Origin and Evolution
(iii) Family : Origin and Types.

Unit 5 Agriculture, land and revenue system, Industries and Artisans Trade and Commerce.

MAAH – 05 POLITICAL AND JUDICIAL IDEAS AND INSTITUTIONS

Unit 1

(i) Concept of Ancient Indian Science of politics. Main traits of Studies: Mahabharata, Arthashastra.

(ii) Concept of ancient Indian political economy and its relation with Triyarga.

(iii) Pastoral and agrarian background of the rise of political authority. Nitishastra of Kamendak Foreign Account.

Unit 2

(i) Origin and types of state, constituent elements of state, their organic Nature.

(ii) Republic s depicted in the Asthadhyayi, Mahabharata, Pali – Works, Arthasastra and the Greek sources with special reference to their Constitutions and deliver special reference to their constitutions and Deliberation, causes of their disintegration and downfall.

Unit 3

(i) Monarchy: Origins, Divine right, Checks and balances

(ii) Council of ministers: Constitutions and functions

(iii) Interstate relations: Theory of Mandala and Snadgunya.

(iv) Military Organization: Arms and Warfare.

Unit 4

(i) Taxation

(ii) Varta : Definition and constitution

Unit 5

Pre Mauryan Policy

Mauryan polity: Community based administration of justice.

M. A. - II (MASTER OF ARTS)
SYLLABUS
SUBJECT: ANCIENT HISTORY (MAAH)
(विषय: प्राचीन इतिहास)
SCHOOL – SCHOOL OF SOCIAL SCIENCE

MAAH-06 PHILOSOPHY OF HISTORY AND ANCIENT HISTORIOGRAPHY

Unit –I Introduction Nature and scope of History, Validity of historical knowledge history and causality

Unit-II A survey of historical thoughts: Graeco-Roman Tradition Ancient India Tradition, Modern Philosophers of History, Herder, Hegel. Marx, Spangle Toynbee, Collingwood.

Unit-III A Survey of Indian Historiography. Vedic and puranic, Buddhist and Jain.

Unit-IV Ancient Historians of India: Bana, Bilhana, Jayanaka, Kalhana.

Unit-V Modern Historians of Ancient India: R. C. Bhankarkar, Gen. A. Cunningha V.A. Smith, K.P. Jaiswal. R.C. Mj\ajumdar, A.K. Coomarswamy, D.D. Koshambi.

MAAH-07 RELIGION AND PHILOSOPHY IN ANCIENT INDIA

Unit-I Vedic Religion and Philosophy: Nature, origion and evolution of Vedic panthe individual duties: Varuna, Indra and Vishnu.

Unit-II Upanishad and Bhagavadgita. Philosophy of Brahman and Atman: Karmayog Bhaktiyoga and Jnanayoga.

Unit-IV The development of Bhakti cults: concept and origin of bhakti, origin a development and cults of Saivism and Vaishnavism, a survey of Sakti-worship.

Unit-V History of Indian Philosophy: Nyaya, Sankhya, Yoga Vedanta and Charvak relevant chapters of Sarvadarsana Sagraha.

Unit –VI Buddhism: Origin of Buddhism, life and teaching of Buddha, Buddha councils, history of early Buddhist sects. Origin and development of Mahay and its relation of Hinayana. Four Schools of Buddhism (i) Sautrantika (ii) Vaibhasika (iii) Sunyayada and (iv) Vijnanavada

Unit-VII Jainism : Antiquity and origin of Jainism, Parsvanath's Chaturyama, life and teaching of Mahavira, Origin and basic differences of Digamba Shvetambara Schools, Spread of Jainism.

Unit-VIII Jain Ethics, Metaphysics, Jiva and Ajiva, Doctrine of Karma, Bondage liberation Jain Epistemology, Anekantavada and Syad Vada. Contribution Jainism to Indian Culture.

MAAH-08 DEVELOPMENT OF INDIAN ARCHITECTURE AND SCULPTURE

Unit-I Origin of Architecture, Harrapan Architecture (Harappa, Mohenjodra Lothal.

Unit-II Mauryan Architecture: Origin, various elements and traditions, pillars.

Unit-III Post Kushana (Stupas Chaityagrihas and Viharas, rock-cut and structural traditions), Sung, Andra, Kushan.

Unit-IV Temple Architecture concept, origin, development, Gupta and Post Gupta Evolution of Various styles of temple styles (Chandel, Orissa, Karnatka Pallava, Chola)

Unit-V Concept of image: origin of Image, various traditions of image Construction.

Unit-VI- Iconography: Vaishnava, Saiva, Bauddha, Jain and Minor Sects.

Unit-VII- Mauryan Sculptures: Social religious, political and economic background the origins of the Mauryan art, pillars and sculptures.

Unit-VIII- Sunga-Satavahana Sculptures: Fold and royal traditions, Terracottas and stupa sculptures, Amaravati, social-economic background.

Unit-IX- Kushan Sculptures: Mahayana Buddism and art, origin of the Buddha Image Gandhara school, Graeco Roman, Parthian and Indina influences on Style a content: Mathura School, development of Indian tradition, Influences of theisis traditions.

MAAH-9 METHOD AND THEORY IN ARCHAEOLOGY

Unit-1 - Archaeology: Definition and scope. Relation with archaeology with sciences and natural sciences.

Unit-II- History and development of Indian archaeology.

Unit-III- Methods of archaeological explorations. Archaeological excavations: Hirozontal, vertical and step excavations. Three diamentional records archaeological photographi, conservation and preservation.

Unit-IV- Methods of dating. Relative dating (Typology, Pollen, analysis, Fluorine) Absolute dating (Radio-carbon method C-14, Potassium-argon techinique, Thermoluminisence dating and Dendronology)

Unit-V- Straightigraphy and stratification.

Unit-VI- Major sites (Taxila, Hastinapura, Ahichatra, Ataranjikhera, kaushambi Rajghat, Shringapura.

MAAH-10 ANCIENT INDIAN NUMISMATICS , EPIGRAPHY AND PALAEOGRAPHY

Unit-I- Indian Coinage: origin, antiquity and importance, methods of manufacturing coins.

Unit-II- Punch marked coins , Indo-Greek, coins, Indo-Scythina and Indo Parthian Coinages, Local and Tribal coins – Yaudhya, Audumbara Kuluta, Arjunayana, Mathura, Panchal, Ayodhya, Kaushambi Coins of the Kushanas, Western Kshatrapa coins , Satavahana coins Gupta coins , Coins of the Hunans, the Maukharis and the Vardhanas.

Unit-III- Ashokan Inscription: (Historical and Cultural aspects)

(i) Piprahwa Buddhist vase inscripition
(ii) Sohgaura inscription

Unit-IV Ashokan Inscriptions: (Historical and Cultural aspects)

(i) Asoka's Rock Edict No. I
(ii) Asoka's Rock Edict No. 13.
(iii) Asoka Pillar Edict No. VII
(iv) Asoka Bairat inscription.
(v) Asoka Minor Pilalr Edict (Rummindei)

Unit-V- Inscriptions from Sunga to Pre-Guptapdi (Historical and Cultural aspects)

(i) Besnagar Pillar inscriptions of Heliodorus.
(ii) Hathigumph Cave Inscriptions of Kharvela.
(iii) Mathura Votive tablet Inscription of the reign of Sodasa
(iv) Takhit-i-bahi inscription of Gondophernes
(v) Mathura Stone Inscription of Huviskha.

Unit-VI- Gupta Inscriptions (Historical and Cultural Aspects)

(i) Allahabad Pillar Inscription of Samudragupta.
(ii) Mehrauli Iron Pillar Inscription of Chandra.
(iii) Bhitari Stone Pillar Inscription of Skandagupta.
(iv) Junagadh Rock Inscription of Skandagupta.

Unit-VII- Post Gupta Period: (Historical and Cultural Aspects)

(i) Haraha Inscription of Isanavarmam.
(ii) Banskhera Copper-plate of Harshavardhan.
(iii) Ahihole Inscription of Pulkesin II.

Unit-VIII-

(i) Palaeography
(ii) Antiquity of writing in India.
(iii) Origin and evolution of Brahmi and Kharosthi
(iv) Types of inscriptions
(v) Epigraphic evidence: its significance and Limitations.

संलग्नक-07

Proposal
For Creation of
Pt. Deendayal Upadhyay Research Centre on Distance Education
&
Pt. Deendayal Upadhyay Chair
in
U P Rajarshi Tandon Open University

U P Rajarshi Tandon Open University

Allahabad

55

14/8/17

14/8/2017
Members of the Committee

Proposal
for Creation of
Pt. Deendayal Upadhyay Research Centre
on Distance Education & Pt. Deendayal Upadhyay Chair
in
U P Rajarshi Tandon Open University
Allahabad

Profile of the University

1. **Name and address of the University:**

U.P. RAJARSHI TANDON OPEN UNIVERSITY
Sector –F, Shanti Puram, Phaphamau Allahabad – 211021

2. **Officers of the University:**

Designation	Name	Tel. No.
Vice-Chancellor	Prof. M P Dube	0532 -2447028 7525048000
Registrar	Prof. G S Shukla	0532-2447035 7525048001
Finance Officer	Mr. S P Singh	0532-2447042 7525048006
Controller of Examination	Dr. G K Dwivedi	7525048009

Fax No.: 0532-2447036
E-mail : registrar.uprtou@gmail.com

3. **Status of the University:** State Open University

4 Date of Establishment: November 1998
(Established by the U P State Govt. as an Open University)

56

14/8/17 SPL 14/8/2017
(Members of the Committee)

5. Object of the University:

This university is governed under the Uttar Pradesh Rajarshi Tandon Open University Act 1999. Accordingly

(1) The University shall endeavor through education, research, training and extension to play a positive role in the development of the State, and, based on the rich heritage of the State to promote and advance the culture of the people of India and its human resources and towards this end, it shall;

- (i) Strengthen and diversify the degree, diploma and certificate courses;
- (ii) Provide access to higher education for large segments of the population,
- (iii) Promote acquisition of knowledge in a rapidly developing and changing society
- (iv) Provide an innovative system of University level education, flexible and open,
- (v) Contribute to the improvement of the educational system by providing a non-formal channel
- (vi) Promote national integration and the integrated development of the human personality

(2) The University shall strive to fulfill the above objects by a diversity of means of distance and continuing education, and shall function in co-operation with the existing Universities and Institutions of higher learning and make full use of the latest scientific knowledge and new educational technology to offer a high quality of education which matches contemporary needs.

6. Statutory bodies of the University:

For planning, executing and monitoring of the academic and administrative affairs of the university the following statutory bodies have been constituted in the university:

1. Executive Council
2. Academic Council
3. Planning Board
4. Board of Recognition
5. Schools of Studies
6. Finance Committee
7. Examination Committee

57 14/8/2017 14/8/2017 (members of the committee)

7. Schools of Studies in the University: 10

For organizing its various academic activities the university has established the following ten schools of studies:

- School of Humanities
- School of Social Sciences
- School of Sciences
- School of Education
- School of Engineering & Technology
- School of Management Studies
- School of Health Sciences
- School of Computer & Information Science
- School of Vocational Studies
- School of Agricultural Sciences

7. Number of Regional Centres: 10

8. Number of Study Centres: 694

9. Number of Programmes: 110

10. Vision and Mission of the university:

The vision and mission of the Uttar Pradesh Rajarshi Tandon Open University, Allahabad may be stated as below:

1. To reach the un-reached
2. To universalize the opportunities of higher education
3. To equalize opportunities in higher education
4. To provide quality education to one and all
5. To become a virtual university

About Pt. Deendayal Upadhyay

Pandit Deendayal Upadhyay was a great Indian politician and a philosopher of visionary viewpoint. He advocated the **'Ekatma Manavvad Darshan'** i.e. Integral Humanism philosophy in the social and political fields in India. The pioneer of 'Ekatma Manavvad Darshan' i.e. Integral Humanism Pt Deendayal Upadhyay was a great advocate of indigenous economics & administration models. 'Ekatma Manavvad Darshan' i.e. Integral Humanism is a critique of both communism and capitalism, advocating a holistic alternative perspective for political action and statecraft consistent with the laws of creation and the universal needs of the human race. The seer of Integral Humanism Pandit Deendayal Upadhyay has been the source of ideological guidance and moral inspiration many social activists and political leaders.

14/8/2017 SD 14/8/2017

(Members of the Committee)

He was one of the most important leaders of the Bharatiya Jana Sangh, the forerunner of the present day Bharatiya Janata Party. He was born in 1916 in the village Chandrabhan, now called Deendayal Dham, near the Farah town in Mathura District. His father, Bhagwati Prasad, was a well known astrologer and his mother Shrimati Rampyari was a religious-minded lady. Both his parents died when he was young and he was brought up by his maternal uncle. He excelled academically under the guardianship of his maternal uncle and aunt. He went to high school in Sikar, Rajasthan where he matriculated. He stood first in the board exam, obtaining a Gold Medal from Maharaja Kalyan Singh of Sikar, along with a monthly scholarship. He did Intermediate at the Birla College in Pilani, the predecessor of the present Birla Institute of Technology and Science. He did his B. A. in the first division from the Sanatan Dharma College, Kanpur in 1939. He joined St. John's College, Agra to pursue a master's degree in English literature and got a gold medal. His maternal uncle persuaded him to appear for the Provincial Services Examination, where he got selected but declined to join the Services on account of his political ambitions. He also obtained a B.Ed and M.Ed degrees at Prayag and entered public service.

While he was a student at Sanatan College, Kanpur , he came into contact with the Rashtriya Swayamsevak Sangh (RSS) through his classmate Baluji Mahashabde. He met the founder of the RSS, K. B. Hedgewar, who engaged with him in an intellectual discussion at one of the shakhas. Sunder Singh Bhandari was also one of his classmates at Kanpur. He dedicated himself to full-time work in the RSS from 1942. He had attended the 40-day summer vacation RSS camp at Nagpur where he underwent training in Sangh Education. After completing second-year training in the RSS Education Wing, Pt Deendayal Upadhyaya became a lifelong pracharak of the RSS. He worked as the pracharak for the Lakhimpur district and, from 1955, as the joint prant pracharak (regional organiser) for Uttar Pradesh. He was regarded as an ideal swayamsevak of the RSS essentially because 'his discourse reflected the pure thought-current of the Sangh. He started publication of a monthly magazine 'Rashtra Dharma' from Lucknow in the 1940s. The publication was meant for spreading the ideology of Hindutva nationalism. He did not have his name printed as editor in any of the issues of this publication. Later he started a weekly Panchjanya and a daily Swadesh. In 1951, when Shri Syama Prasad Mookerjee founded the Bharatiya Jana Sangh, Pt Deendayal seconded it and the RSS gave him the task of moulding it into a genuine member of the Sangh Parivar. He was appointed as General Secretary of its Uttar Pradesh branch, and later the all India General Secretary. After Mookerjee's death in 1953, the entire burden of nurturing the orphaned organisation and building it up as a nationwide movement fell on Pt Deendayal. For about fifteen years, he remained the

59
14/8/2017 14/8/2017
(members of the committee)

outfit's general secretary. He also contested for Lok Sabha from Uttar Pradesh, but failed to attract significant political atraction and did not get elected.

Pt Deendayal Upadhyaya conceived his political philosophy as Integral Humanism. The philosophy of Integral Humanism advocates the simultaneous and integrated program of the body, mind and intellect and soul of each human being. His philosophy of Integral Humanism was a synthesis of the material and the spiritual, the individual and the collective. He visualised for India a decentralised polity and self-reliant economy with the village as the base. Pt Deendayal Upadhyay was convinced that India as an independent nation could not rely upon Western concepts like individualism, democracy, socialism, communism or capitalism and was of the view that the Indian polity after Independence has been raised upon these superficial Western foundations and not rooted in the traditions of India's ancient culture. He was of the view that the Indian intellect was getting suffocated by Western theories, which left a "roadblock" to the growth and expansion of original Bharatiya thought. Upadhyay was compelled to answer what he felt was the urgent need in India for a "fresh breeze." He welcomed modern technology but wanted it to be adapted to suit Indian requirements. He strongly believed in Swaraj. He died under unexpected circumstances and was found dead on 11 February 1968 at Mughal Sarai railway yard. The U P government has changed the name of Mugal Sarai as Pt Deendayal Upadhayay Nagar in his memory. Pt Deendayal Upadhyaya edited Panchjanya and Swadesh from Lucknow. In Hindi, he has also written a drama Chandragupta Maurya, and later wrote a biography of Shankaracharya. He translated a Marathi biography of Dr. Hedgewar, the founder of the Rashtriya Swayamsevak Sangh.

He kept company with of great leaders like Nanaji Deshmukh and Sundar Singh Bhandari etc who went on to play a critical role in anti-Congress politics in the 1960s and 70s. In a recent lecture, K. N. Govindacharya, who parted ways with the BJP, recalls how Upadhyaya expelled seven of the nine Jan Sangh MLAs in Rajasthan for opposing the Zamindari Abolition Act. He outlined his philosophy for governance to some 500 party workers in 1964 and presented an expanded version at its plenary session in 1965. The final version was delivered in the form of four lectures in Bombay, titled "Integral Humanism". According to BJP veteran Shri L K Advani, the title was chosen to contrast it with the thesis of 'Radical Humanism' put forward by Shri M N Roy, the former Communist leader. Integral Humanism was adopted by the BJS as its official doctrine and subsequently passed on to the BJP. The Deen Dayal Research Institute at New Delhi is a hub of frenetic activity as it deals with a flood of queries from government departments trying to familiarize themselves with Pt Deendayal Upadhyaya and his works.

He died on 11 February 1968 at Mughalsarai in UP, while travelling in a train under mysterious circumstances.There are many conspiracy theories about Upadhyaya's

60

14/8/2017 14/8/2017
(members of the committee)

death: Balraj Madhok, another of Jan Sangh's founding members, has said categorically on many occasions that Upadhyaya's death was a murder, not an accident. Several institutions like Pt. Deendayal Upadhyay Shekhawati University, Sikar (Rajasthan), Pt. Deendayal Upadhyay Sanatan Dharma Vidyalaya, Kanpur, Deen Dayal Upadhyay Gorakhpur University, Deen Dayal Upadhyay Hospital, Delh, Pandit Deendayal Upadhyay Vidyalaya, Kanpur, Deen Dayal Upadhyaya College, Pandit Deendayal Petroleum University, Gandhinagar, Gujarat , Pandit Deendayal Upadhyaya Medical College, Rajkot, Deen Dayal Upadhyaya Hospital, Shimla, Himachal Pradesh, Pandit Deendayal Upadhyaya Park, Indian Space Research Organisation Layout, Bengaluru, Pandit Deendayal Flyover, Yeshwanthpur, Bengaluru, Pt. Deen Dayal Upadhyay Hospital, Varanasi, Pt. Deen Dayal Upadhyay Urja Bhawan, Delhi, Pt. Deen Dayal Upadhyay Sanyukt jila Chikitsalay, Bijnor (UP), Pt. Deen Dayal Upadhyay National Academy of Social Security, Janakpuri, Delhi, Pt. Deen Dayal Upadhyay Smriti Manch etc are named after him to pay a warm tribute to this great son of India who advocated a new philosophy of 'Ekatm Manavvad for the benefit of masses of India.

Proposal for Establishing

Pt. Deendayal Upadhyay Research Centre on Distance Education

&

Pt. Deendayal Upadhyay Chair

For realizing various objectives of its establishment, to achieve its vision and mission, to propagate the ideas and views of great leaders of India like Shri Pt Deendayal Upadhyay ji and to strengthen the distance education system in the state of Uttar Pradesh by organising diversified activities in various fields, the UPRTOU proposes to establish Pt Deendayal Upadhyay Research Centre on Distance Education & Pt. Deendayal Upadhyay Chair in the University. The pioneer of 'Ekatma Manava Darshan' i.e. Integral Humanism Pt Deendayal Upadhyay was in fact a great advocate of indigenous economics & administration models and suggested several reforms in these areas. 'Ekatma Manava Darshan' i.e. Integral Humanism is a critique of both communism and capitalism, advocating a holistic alternative perspective for political action and statecraft consistent with the laws of creation and the universal needs of the human race. As such it seems necessary and important to study the ideology of Pt Deendayal Upadhyay in depth and to find out its implications and benefits for upbring the weaker sections of the society so that it may be propagated in letter and spirit for the wider decisions and implementation.

61

14/8/17

14/8/2017

(Members of the Committee)

1. Objectives:

To realise the social, academic and political vision of Late Pt Deendayal Upadhyay, the university intends to establish Pt Deendayal Upadhyay Researh Centre on Distance Education and to create a Chair named as Pt Deendayal Upadhyay Chair with an emphasis on the philosophy of 'Ekatm Manavvad' i.e. Integral Humanism at all levels and in all areas so that a Samtamulak Smaj may be a created in which all sections may enjoy equal benefit of the development through distance education. The major objectives of the chair are as follows:

1. To carry out research and studies on the social, political and educational ideas of Pt Deendayal Upadhyay Ji.
2. To conduct seminars / conferences / workshops etc for propagating and consolidating the various ideas of Late Pt Deendayal Upadhyay Ji on 'Ekatm Manavvad'.
3. To find out the educational implications of the 'Ekatm Manavvad' of Pt Deendayal Upadhyay Ji in the the social, political and educational fields.
4. To undertake translation of works and writings of Pt Deendayal Upadhyay ji in Hindi, English and other local languages.
5. To carry out research in the field of Open and Distance Learning system with an emphasis to implement ideas of Pt Deendayal Upadhyay Ji.
6. To prepare handy booklets on Ekatm Manavvad' of Pt Deendayal Upadhyay Ji to familiarize the masses of India with Pt Deendayal Upadhyaya and his philosophy and works.

2. Structure and Guidelines:

The proposed chair will be situated in the University under the direct supervision of the VIce-Chancellor. A senior ~~professor~~ Faculty who has a firm belief in the ideology of Ekatm Manavvad' of *Pt Deendayal Upadhyay* Ji will be appointed as the ~~Professor and~~ Director of the Centre ~~and will also occupy the *Pt Deendayal Upadhyay* Chair~~ and a Senior Professor will be appointed as Chair Professor by a Search Committee Constituted for the purpose. Initially the Centre and the chair will be created for five years; however it may be extended for a further period of five years. The professor appointed will devote his full time for promoting the objectives of the centre / chair.

62

14/8/2017 14/8/2017

(members of the committees)

3. Financial Assistance Required:

[1] Professor's Salary	Rs 20.00 Lacs Per Annum
[2] Supporting Staff	Rs 5.00 Lacs Per Annum
[3] Research Activities	Rs 5.00 Lacs Per Annum
[4] Books and journals etc	Rs 5.00 Lacs Per Annum
[5] Seminars/conferences/workshops	Rs 5.00 Lacs Per Annum
[6] Miscellaneous/Contingency	Rest 5.00 Lacs Per Annum

TOTAL Rs 45.00 Lacs [Forty Five Lacs Per Annum]

Total for Five Years Rs 45.00 Lacs X 5 = Rs 225 Lacs

(i.e. Two Crores Twenty Five Lacs Only)

The budget required for the first phase of five years for establishing the Pt Deendayal Upadhyay reseach centre and creating the *Pt Deendayal Upadhyay* Ji Chair is 2,25,00,000=00 (Rs. Two Crores Twenty Five Lacs Only). This is however subject to 20% escalation. Kindly sanction the same so that necessary steps be taken as soon as possible.

SN 14/8/2017

14/8/17

(members of the Committee)

(Prof. M P Dubey)
Vice-Chancellor